RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 234 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, शनिवार 11 जून 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर

चंदूलाल चंद्राकर हास्पिटल में ओपीडी 13 जून से होगी शुरू

दुर्ग। चंदूलाल चंद्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय में आगामी 13 जून से बाह्य रोगी विभाग ओपीडी आरंभ हो रही है। प्रदेश में संचालित अन्य चिकित्सा महाविद्यालयोंकी तरह ही एक बार फिर से अंचल के रोगियों को उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधा का लाभ नि:शुल्क मिल सकेगा। इसमें मेडिसीन अस्थि रोग, स्त्री रोगशिशु रोग, नेत्र रोग, नाक कान गला रोगों के कुशल व वरिष्ठ चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे। शीघ्र ही शेष विशेषज्ञों के पद ग्रहण करने के उपरांत ओपीडी आरंभ किया जाएगा। तत्पश्चात विशेषज्ञों एवं अन्य सुविधा उपलब्ध हो जाने पर क्रमबद्ध अंत:रोगी की सुविधा प्रारंभ कर दी जाएगी।

खेल के क्षेत्र में बच्चों का होगा भविष्य निर्माण

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन के श्रम-विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण - मंडल द्वारा निर्माण श्रमिकों के बच्चों हेतु उत्कृष्ट खेल प्रोत्साहन योजना संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को एथलेटिक, कबड्डी, खोखो, फुटबाल, हेण्डबाल, तीरंदाजी, कुश्ती, हाकी और तैराकी जैसे खेलों में जिला, संभाग, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों द्वारा जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर एक हजार रूपये, संभाग स्तर पर दो हजार रूपये, राज्य स्तर पर पांच हजार और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले श्रमिकों के बच्चों को पच्चास हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है।

हैलीपैड पर बच्चे को बुलाकर मुख्यमंत्री ने पूछा नाम, कहा खूब अच्छे से पढ़ना

रायपुर। भेंट मुलाकात कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री पत्थलगांव के बटईकेला ग्राम पहुंचे। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने देखा कि एक छोटा बच्चा हैलीकाप्टर देखने के लिए हैलीपैड के पास खड़ा है। मुख्यमंत्री ने बच्चे को पास बुलाया और उससे बात कर उसका नाम पूछा। बच्चे ने अपना नाम अजय यादव बताया। अजय ने बताया कि वो स्वामी आत्मानंद स्कूल में पहली कक्षा में पढ़ता है। मुख्यमंत्री पहली कक्षा के बच्चे के वाक्पटुता से प्रभावित हुए और उससे कहा कि खूब अच्छे से पढ़ना।

रायपुर में कांग्रेस की बाड़ेबंदी नहीं आई काम

सीएम भी हरियाणा की सीट नहीं बचा सके, निर्दलीय ने मार ली बाजी

रायपुर (एजेंसी)। हरियाणा में कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है। हरियाणा में भाजपा के कृष्ण लाल पंवार और निर्दलीय प्रत्याशी कार्तिकेय शर्मा को जीत मिली है। वहीं कांग्रेस की तरफ से प्रत्याशी बनाए गए वरिष्ठ नेता अजय माकन चुनाव हार गए। हरियाणा में 2 सीटों पर चुनाव थे, कयास लगाए जा रहे थे एक सीट पर भाजपा तो दूसरी पर कांग्रेस की जीत पक्की है, लेकिन निर्दलीय प्रत्याशी ने बड़ा उलटफेर कर दिया। ऐसा लगता है कि छत्तीसगढ़ में हरियाणा के कांग्रेस विधायकों की मेहमाननवाजी में शायद कहीं कोई कमी रह गई, जिसकी वजह से परिणाम बदल गए। विरोधियों ने कांग्रेस की उम्मीदों का किला ढहा दिया।

बता दें कि हरियाणा राज्यसभा चुनाव के लिए सीएम भूपेश बघेल और छत्तीसगढ़ से राज्यसभा चुनाव जीते राजीव शुक्ला को ऑब्जर्वर बनाया गया था। रायपुर में सीएम भूपेश बघेल, राजीव शुक्ला व मंत्री रविंद्र चौबे से हरियाणा के विधायकों की मुलाकात हुई थी। अजय माकन और हुड्डा की मौजूदगी में बैठकें भी हुई, रणनीति भी बनी, लेकिन परिणाम कांग्रेस के पक्ष में नहीं आए। नवा रायपुर के मेफेयर होटल में 8 दिनों तक कड़ी सुरक्षा में हरियाणा के विधायकों को रखा गया था। क्रॉस वोटिंग की आशंका में उन्हें किसी से मिलने तक नहीं दिया गया। चुनाव से एक दिन पहले गुरुवार को सीएम भूपेश बघेल हरियाणा के सभी विधायकों को साथ लेकर विशेष विमान से चंडीगढ़ गए थे। अब हार के बाद कांग्रेस नतीजों पर फिर मंथन करेगी।

विधायकों की खूब हुई थी मेहमाननवाजी

क्रॉस वोटिंग की आशंका के रायपुर लाए गए विधायकों की खूब मेहमाननवाजी हुई थी। विधायकों को कड़ी सुरक्षा में रखा गया था। उनसे किसी को मिलने नहीं दिया गया। विधायकों को पिछले एक सप्ताह में 3 से 4 बार सही ढंग से मतदान की मॉकड्रिल कराई गई है। कई बार बैठकें हुई, रणनीति बनी, लेकिन नतीजा कुछ और ही आया। कांग्रेस की जीत पक्की करने सभी विधायकों को साथ लेकर सीएम भूपेश बघेल खुद चंडीगढ़ गए। अंक गणित कांग्रेस के पक्ष में विधायकों की बैठक ली। चंडीगढ़ रवाना होने से पहले सीएम भूपेश बघेल ने कहा था कि आंकड़े उनके साथ हैं। इस चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी अजय माकन की जीत होगी। भाजपा के लोग हॉर्स ट्रेडिंग में लगे हैं, लेकिन वे सफल नहीं होंगे।

सीट जीतने कांग्रेस को 31 विधायक चाहिए

हरियाणा विधानसभा में राज्य सभा की 2 सीटों के लिए चुनाव हुई। कांग्रेस ने यहां से अजय माकन को टिकट दिया है। वहीं भाजपा ने कृष्णलाल पंवार को प्रत्याशी बनाया था। पूर्व मंत्री विनोद शर्मा के बेटे कार्तिकेय शर्मा ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया था। हरियाणा में राज्यसभा सीट जीतने कांग्रेस के पास 31 विधायक थे, लेकिन कार्तिकेय शर्मा की एंट्री ने पेंच फंसा दिया है। कार्तिकेय के ससुर कुलदीप हरियाणा कांग्रेस पार्टी से विधायक हैं। क्रास वोटिंग के डर से सभी विधायकों को केंद्रीय नेतृत्व ने पहले दिल्ली बुलाया फिर 2 जून को रायपुर भेज दिया था।

2016 की तरह 2022 में भी निर्दलीय की जीत

दरअसल, हरियाणा में 2016 के राज्यसभा चुनाव के दौरान पेन कांड हुआ था। चुनाव में भाजपा समर्थित सुभाष चंद्रा और इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) व कांग्रेस ने संयुक्त रूप से आरके आनंद को टिकट दिया था। चुनाव में कांग्रेस-इनेलो की जीत तय थी, लेकिन निर्दलीय सुभाष चंद्रा जीत गए। चुनाव में कांग्रेस के 16 विधायकों के वोट निरस्त हो गए थे। इसका कारण यह था कि मतदान के लिए जो खास पेन दिया गया था, उसकी स्याही बदल गई थी। यह राजनीति के इतिहास का वह दांव था, जिसने हरियाणा कांग्रेस के रणनीतिकारों को चारों खाने चित्त कर दिया था। 2016 की तरह 2022 में भाजपा की मदद से निर्दलीय उम्मीदवार जीत गया। कांग्रेस की एक सीट फिर हाथ से निकल गई।

80 फीट गहरे बोरवेल में गिरा 11 साल का मासूम, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी पाइपलाइन से दिया जा रहा ऑक्सीजन

जांजगारी-चांपा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के पिहरिद गांव में बोरवेल के गड्ढे में गिरे मासूम को निकालने 16 घंटे से रेस्क्यू अभियान जारी है। बालक 80 फीट की गहराई वाले बोरवेल के गड्ढे में गिरा है। लगभग 50 फीट तक खुदाई हो चुकी है। बच्चा अभी सुरक्षित है। बच्चे को गड्ढे से निकालने कटक और बिलासपुर से ह्रष्ठक्रस्न और स्ष्ठक्रस्न की टीम को बुलाया गया है। इधर सीएम भूपेश बघेल ने बच्चे को जल्द से जल्द सुरक्षित निकालने के निर्देश अफसरों को दिए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन में अभी कुछ घंटें और लगने की बातें कही जा रही है। मौके पर आईजी, कलेक्टर, एसपी, एएसपी सहित पुलिस व जिला प्रशासन की टीम मौजूद है।

मिली जानकारी के मुताबिक जांजगीर-चांपा जिले के मालखरौदा के पिहरिद गांव में 11 साल का राहुल साहू पिता रामकुमार उर्फलाला साहू खेलते-खेलते घर के पीछे की तरफचला गया। राहुल के पिता लाला साहू ने घर की बाड़ी में बोर खुदवाया था। वह बोर फेल हो गया था। इसके बाद बिना केसिंग डाले ही बोर को खुला छोड़ दिया गया है। खनन स्थान को मिट्टी से भरा भी नहीं गया है। शुक्रवार की दोपहर बोरवेल के गड्ढे में राहुल गिर गया। परिजन जब बाड़ी की तरफ गए तो बच्चे की रोने की आवाज आई, जिसे सुनकर परिजनों को घटना की जानकारी हुई। पुलिस को सूचना दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर जितेंद्र कुमार शुक्ला, एसपी विजय अग्रवाल, एसडीएम रेना जमील, एडिशनल एसपी अनिल सोनी, तहसीलदार सहित जिला व पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची है। बिलासपुर आईजी रतनलाल डांगी भी रात को पिहरिद गांव पहुंचे।

बोरवेल के समानांतर किया जा रहा गड्ढा

बच्चे को पाइपलाइन के जरिए ऑक्सीजन दिया जा रहा है। अभी छह जेसीबी व एक चैन माउनटेन से बोरवेल के गड्ढे के समानतर गड्ढा किया जा रहा है। बोरवेल में फसे बच्चे तक रात में खाना भी पहुंचाया गया। बच्चा अभी सुरक्षित है। बच्चे को रेस्क्यू करने कटक और बिलासपुर से एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार करीब 50 फीट की खुदाई कर ली गई है। अभी 10 से 15 फीट और खोदाई और की जाएगी, जिसके बाद टनल बनाकर राहुल का रेस्क्यू किया जाएगा। मौके पर लोगों की भीड़ भी लगी है, जिन्हें नियंत्रित करने पुलिस बल तैनात है।

दो भाइयों में बड़ा है राहुल

हादसे के बाद से ही राहुल की मां और उसके परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हर कोई यह उम्मीद लगाए बैठा है कि जल्दी से राहुल को बाहर निकाल लिया जाए। पूरे गांव के लोग भी रात भर उसी जगह पर टिके हैं, जहां पर बच्चा गिरा है। राहुल अपने मां-बाप का बड़ा बेटा है। राहुल का एक और भाई है, जो उनसे दो साल छोटा है। राहुल के पिता की गांव में बर्तन की दुकान है। राहुल के जल्द से जल्द गड्ढे से निकलने और सलामती की दुआ ग्रामीण कर रहे हैं।

अभी और समय लग सकता है कलेक्टर

कलेक्टर जितेंद्र कुमार शुक्ला ने बताया कि अभी 5 से 6 घंटे का वक्त और लग सकता है। राहुल तक पहुंचने शाम से रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। राहुल अभी सुरक्षित है। कैमरे से उसका मूवमेंट दिख रहा है। उसे केला और जूस पहुंचाया गया है और परिजन से भी आवाज के माध्यम से बात कराई जा रही है, ताकि उसका मनोबल बना रहे। रात लगभग 12 बजे तक राहुल ने हलचल किया था। उसने सुबह भी हलचल किया है। विशेष कैमरे में उसकी हलचल दिखी है। मौके पर जिला प्रशासन के सभी अधिकारी मौजूद हैं और हर तरह से राहुल को सकुशल बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

आम के नीचे छिपाकर ले जा रहा था सवा करोड़ का गांजा, महासमुंद में धराया एमपी का तस्कर

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। छत्तीसगढ़ में गांजा तस्करी का फिर एक बड़ा मामला फूटा। पुलिस को चकमा देने आम के नीचे भारी मात्रा में गांजा छिपाकर तस्करी की जा रही थी, लेकिन तस्कर की यह चालाकी काम नहीं आई। महासमुंद की पुलिस ने अंतर्राज्यीय तस्कर को दबोच लिया। आरोपी के कब्जे से 610 किलो गांजा बरामद किया है, जिसकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ 22 लाख रुपये बताई जा रही है। आरोपी गांजा को ओडिशा से छत्तीसगढ़ के रास्ते मध्य प्रदेश लेकर जा रहा था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है, जिसमें गिरोह की जानकारी मिलने की संभावना जताई जा रही है।

महासमुंद एसपी विवेक शुक्ला ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी, जिसके बाद सिंघोड़ा थाना प्रभारी को प्वाइंट दिया गया। चेकिंग के दौरान ओडिशा से छत्तीसगढ की ओर तेजी से आ रहे छह चक्का ट्रक क्रमांक एमएच 40 सीडी 5067 को रोका गया। वाहन चालक से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम विजय सिंह (44 वर्ष) निवासी सांई कालोनी संचार नगर कृषि उपज मंडी जबलपुर, थाना-माडोताल जिला-जबलपुर (मध्य प्रदेश) का रहने वाला बताया। पूछताछ करने पर ट्रक में आम का परिवहन कर मध्य प्रदेश ले जाना बताया। ओडिशा से मध्य प्रदेश आम ले जाने पर पुलिस को संदेह हुआ।

ओडिशा से मध्य प्रदेश आम परिवहन पर हुआ संदेश

पुलिस की पूछताछ में ट्रक चालक गोलमोल जवाब देने लगा। इसके बाद पुलिस ने ट्रक की जांच की। तब आम के नीचे छिपाकर रखे गांजा की जानकारी मिली। पुलिस ने ट्रक के पीछे डाला में आम के नीचे 122 पैकेट अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया। गांजा खाकी रंग के टेप से टेपिंग किया हुआ हुआ था। आरोपी विजय सिंह को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने 122 पैकेट में भरा हुआ 610 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। आरोपी पर सिंघोड़ा थाने में एनटीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। आरोपी से 1 करोड़ 42 रुपये के समान की जब्ती बनाई गई है।

नक्सलियों के नापाक मंसूबे नाकाम, सीआरपीएफ कैंप के पास मिला 5 किलो का बम, बीडीएस की टीम ने किया डिफ्यूज

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल मोर्चे पर तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों ने माओवादियों के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया। दंतेवाड़ा और सुकमा जिले की सीमा पर सीआरपीएफ कैंप से महज एक किलोमीटर की दूरी पर 5 किलो की जिंदा आईईडी बरामद किया है। जवानों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से नक्सलियों ने इसे प्लांट किया था। सीआरपीएफ 231 बटालियन के डॉग स्क्वॉड की टीम ने जमीन में दबे कमांड आईईडी को बरामद किया, जिसे बम निरोधक दस्ते ने डिफ्यूज कर दिया है। जवानों की सतर्कता से एक बड़ी घटना टल गई।

मिली जानकारी के मुताबिक जिंदा बम मिलने की घटना जिले के अरनपुर थाना क्षेत्र की है। यह नक्सलियों का अत्याधिक प्रभाव वाला इलाका है। दंतेवाड़ा जिले से सुकमा जिले को जोड़ने के लिए कोंडासांवली से जगरगुंडा तक सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। यह सड़क केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 231 बटालियन की देखरेख में बन रही है। शुक्रवार को कमारगुड़ा स्थित सीआरपीएफकैंप से जवान सड़क निर्माण कार्य को सुरक्षा देने निकले थे। जवान सर्चिंग करते हुए जा रहे थे तभी कैंप से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर डॉग स्क्वॉड की टीम ने एक आईईडी बरामद किया।

विस्फोटक का ज्यादा उपयोग कर रहे नक्सली

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बम निरोधक दस्ते की टीम ने जब आईईडी को निकाला तो वह कमांड आईईडी थी, जिसमें एक लंबा तार था तो सीधे जंगल की तरफगया था। बीडीएस की टीम ने बम को मौके पर ही डिफ्यूज किया। जवानों ने माओवादियों के नापाक मंसूबों को नाकाम कर दिया। दरअसल, माओवादी इन दिनों फोर्स के जवानों से सीधे लड़ाई के बजाय बम का ज्यादा उपयोग कर रहे हैं। बीजापुर, सुकमा में आईईडी ब्लास्ट की कई घटनाएं हो चुकी है। यह बम भी काफी शक्तिशाली था, अगर नक्सली इसे विस्फोट करते तो बड़ा नुकसान हो सकता था। बता दें कि नक्सली सड़क निर्माण का लगातार विरोध कर रहे हैं।

बटईकेला पहुंचे सीएम, शासकीय योजनाओं की ली जानकारी

पत्थलगांव। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भेंट मुलाकात कार्यक्रम के लिए आज पत्थलगाँव विधानसभा के बटईकेला ग्राम पहुंचे। सीएम बघेल ने बटईकेला के पुराने शिव मंदिर में पूजा अर्चना की और क्षेत्र,राज्य और देश के लोगों की समृद्धि की कामना की। भेंट मुलाकात कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री ने सबसे पहले छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा की और उनकी तस्वीर पर दीप प्रज्वलित करने के बाद स्थानीय लोगों से योजनाओं की जानकारी लेनी शुरू की।

सनातन और नामकरण का गणित

दीपक रंजन दास

प्रत्येक शहर और भवन का एक अपना इतिहास होता है। उत्पत्ति, वैभव और पराभव होता है। इतिहास में जितने भी नगरों और भवनों का उत्थान हुआ है, उनका पतन भी हुआ है। इंद्रप्रस्थ के साथ महाभारत जुड़ा है जिसमें भाई-भाई के झगड़े में पूरे वंश का नाश मय स्वजन व परिजनों के हो गया था। मथुरा और वृंदावन को श्रीकृष्ण ने एक बार छोड़ा तो फिर कभी लौट कर नहीं आए। यहां तक कि द्वारका का अस्तित्व भी मिट गया। प्रभु श्रीराम के बाद अयोध्या की कीर्ति भी नष्ट हो गई। जिस सरयु में श्रीराम ने समाधि ली, उसका भी महत्व जाता रहा। लव और कुश अपनी राजधानी बहुत दूर ले गए। अधिकांश किले और दुर्ग ध्वस्त हो गए, केवल खंडहर शेष हैं। सत्ता का केन्द्र रहा लालकिला भी अब केवल पर्यटन स्थल है। यही सत्य है, जो बीत गया सो बीत गया। देश में एक वर्ग वक्त के पहिए को उल्टा घुमाने की कोशिश कर रहा है। फिलहाल शहरों का भारतीय नामकरण किया जा रहा है। कोशिश है कि शहरों को उनके पुराने नाम से जाना जाए। हालांकि इसकी शुरुआत दिल्ली अर्थात इंद्रप्रस्थ से होनी चाहिए थी, पर हिम्मत नहीं पड़ी। डर था, कहीं फिर से भाई-भाई में फूट पड़ गई तो? सनातन संस्कृति में नामकरण का बड़ा महत्व रहा है। कोशिश हमेशा यही रही है कि नामकरण ऐसे नामों पर किया जाए जो अविजित रहे हों, जिनका कीर्तिचक्र फहरा रहा हो, जो स्वभाव से अजर-अमर-अविनाशी हो। विजय, नरेश, सुरेश, दिग्विजय आदि नामों का चलन इसी आधार पर हुआ। जिन्हें ज्यादा कुछ नहीं सूझा, उन्होंने देवताओं के नाम पर अपने बच्चों का नामकरण किया। शिवा, विष्णु, राम, लक्ष्मण, इंद्र, कृष्ण, कन्हैया आदि नाम इस श्रेणी में आते हैं। वहीं अनिष्ट को टालने के लिए बच्चों के विकृत नाम चुने गए, ताकि नजर लगने की संभावना खत्म हो जाए। इनमें कचरा, मेहतरीन, कलुआ, चमरू, जैसे नाम रखे गए। इतिहास में बदनाम विभीषण, मंथरा, शकुनी, कंस जैसे नामों से दूरी ही रखी गई है।

संपादकीय

आरबीआई की कवायद से बेदम उम्मीदें

कोरोना संकट से उबरते देश पर रूस-यूक्रेन संकट के चलते बाधित खाद्य शृंखला की मार असर दिखा रही है। बढ़ते आयात खर्च और कमजोर होते रुपये ने केंद्रीय बैंक की चिताएं बढ़ाई हैं। तभी आरबीआई ने लगभग एक माह के अंतराल में दूसरी बार रेपो दरों में कटौती की है। सवाल यह है कि क्या मौद्रिक उपायों से रिकॉर्ड तोड़ती महंगाई पर कुछ असर पड़ेगा। यह भी कि क्या छह का आंकड़ा पार कर चुकी खुदरा महंगाई दर में गिरावट आएगी? मौजूदा स्थिति देश की विकास दर को भी प्रभावित करेगी। लेकिन रेपो रेट बढ़ाए जाने का पहला असर यह होगा कि बैंक भी लिये कर्ज की ब्याज दरें बढ़ाएंगे और जिसके चलते आवास व वाहन आदि के कर्जधारकों की किस्तों में इजाफा होगा। उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति पर इसका असर नजर आयेगा। मांग बढ़ाने को कोरोना संकट के दौर में ब्याज दरें कम करने का जो कदम उठाया गया था, वह अब बीते दिनों की बात हो गया है। मौजूदा महंगाई की चुनौती से केंद्र सरकार की चिंताएं भी बढ़ी हैं, महंगाई का राजनीतिक समीकरण भी, जिसका उपयोग विगत में भाजपा भी करती आई है। मगर महंगाई पर काबू पाने के उपायों का असर होता नहीं दीख रहा है। दरअसल, रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। दुनिया के तमाम मुल्क इस संकट से दो-चार हैं। दरअसल, महंगाई की एक वजह यह भी है कि कोरोना संकट के चलते सूक्ष्म,छोटे व मझोले उद्योग-धंधे चौपट हो गये जिसके चलते बाजार में बड़ी कंपनियों की मनमानी है। हाल के दिनों में बड़ी कंपनियां अपना मुनाफा बढ़ाने के लिये दामों में वृद्धि कर रही हैं। यही वजह है कि आने वाले दिनों में मंहगाई कम होती नजर नहीं आ रही है। इसकी एक वजह यह भी है कि रूस-यूक्रेन युद्ध भी थमता नहीं दीख रहा है। निस्संदेह, महंगाई का देश की आर्थिक विकास दर पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। तभी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों ने भी भारत की विकास दर को कम आंका है। लेकिन चिंता की बात यह है कि बढ़ती महंगाई व घटती क्रय शक्ति के चलते देश के विभिन्न उद्योगों पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। अब चाहे यह वाहन उद्योग हो या विनिर्माण का क्षेत्र। देश में लघु,मझोले व सूक्ष्म उद्योग पहले ही कोरोना संकट से उपजे हालात से उबर नहीं पाये हैं। बेरोजगारी में तेजी जारी है। नये रोजगार बन नहीं रहे हैं। अर्थव्यवस्था ठहराव की स्थिति में प्रतीत होती है जिसे अर्थशास्त्र की भाषा में अर्थव्यवस्था में ठहराव व महंगाई में वृद्धि के चलते स्टैगफ्लेशन की स्थिति बताया जा रहा है। इससे अर्थव्यवस्था के रुझान को लेकर आम आदमी में संशय की स्थिति है जिसके चलते मांग में भी कमी आ रही है। दरअसल, महंगाई की वजह के मुख्य कारणों में जहां युद्ध है, वहीं अमेरिका समेत कई देशों में अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिये जो ब्याज दरों में वृद्धि की गई है, उसके चलते भारतीय बाजार के विदेशी निवेशक अपना पैसा वापस खींच रहे हैं। फलस्वरूप रुपये की कीमत में गिरावट देखी जा रही है। कहीं न कहीं केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि विदेशी निवेशकों की भगदड़ रोकने की कवायद भी है। दरअसल, विदेशी मुद्रा भंडार में कमी सरकार की चिंता बढ़ाने वाली है। ऐसे में सरकार से उम्मीद है कि नये मौद्रिक उपाय से वह महंगाई पर काबू करने के लिये परोक्ष करों में कटौती करे। खासकर पेट्रो उत्पादों में कमी के हालिया प्रयासों में फिर वृद्धि करे। वहीं सरकार दूसरी ओर हालिया संकट में मोटा मुनाफा कमाने वाले उद्योग जगत पर प्रत्यक्ष कर बढ़ाकर अतिरिक्त आय भी अर्जित कर सकती है। वहीं चिंता इस बात की बनी हुई है कि यदि रूस-यूक्रेन युद्ध दुनिया में शीत युद्ध की नई परिस्थितियां पैदा करता है तो निश्चित तौर पर महंगाई को थामना और मुश्किल हो सकता है। ऐसे में प्रौद्योगिकी के विकास से हासिल आत्मनिर्भरता हमें महंगाई से लड़ने की ताकत दे सकती है।

> “ बेरोजगारी में तेजी जारी है। नये रोजगार बन नहीं रहे हैं। अर्थव्यवस्था ठहराव की स्थिति में प्रतीत होती है जिसे अर्थशास्त्र की भाषा में अर्थव्यवस्था में ठहराव व महंगाई में वृद्धि के चलते स्टैगफ्लेशन की स्थिति बताया जा रहा है। इससे अर्थव्यवस्था के रुझान को लेकर आम आदमी में संशय की स्थिति है जिसके चलते मांग में भी कमी आ रही है।

> “ बिलासपुर और जगदलपुर एयरपोर्ट में नाइट लैडिंग सुविधा के लिए पीबीएन प्रणाली भी स्थापित की जा रही है। इसके साथ साथ कोरबा में व्यावसायिक एयरपोर्ट के साथ कोरिया में नई हवाई पट्टी के विकास की योजना पर काम हो रहा है। अम्बिकापुर में 43 करोड़ रूपए की लागत से एयरपोर्ट रनवे भी बनाया जा रहा है। जगदलपुर, बिलासपुर और अम्बिकापुर एयरपोर्ट में ऑटोमेटेड एटीसी उपकरण स्थापित किए गए हैं।

छत्तीसगढ़ में एयर कनेक्टिविटी की उम्मीदों को मिली नई उड़ान

तरक्की और विकास का रिश्ता अच्छी कनेक्टिविटी से जुड़ा है। कनेक्टिविटी की सुविधा जितनी ज्यादा होगी वहां विकास उतना ही तेजी से होता है। यह सुविधा लोगों को एक दूसरे से जोड़ती है वही क्षेत्रीय असंतुलन को भी दूर करने में मदद करती है। अच्छी सड़क और हवाई कनेक्टिविटी जीवन स्तर को जांचने का भी पैमाना भी है। हाल के साढे तीन वर्षों में मुख्यमंत्री भूपेश बधेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में हवाई कनेक्टीविटी की उम्मीदों को नई उड़ान है।

छत्तीसगढ़ में हाल के साढ़े तीन साल की बात करें तो यहां रायपुर के अलावा बिलासपुर और जगदलपुर से भी नियमित विमान सेवाएं संचालित होना प्रारंभ हुई हैं। वहीं एयरपोर्टों के विकास और अधोसंरचना विकास के कार्यों को गति मिली है। इससे प्रदेश के उत्तरी और दक्षिण क्षेत्रों में हवाई सेवाओं के विस्तार से विकास का नया मार्ग प्रशस्त होगा। बिलासपुर और जगदलपुर एयरपोर्ट में नाइट लैडिंग सुविधा के लिए पीबीएन प्रणाली भी स्थापित की जा रही है। इसके साथ साथ कोरबा में व्यावसायिक एयरपोर्ट के साथ कोरिया में नई हवाई पट्टी के विकास की योजना पर काम हो रहा है। अम्बिकापुर में 43 करोड़ रूपए की लागत से एयरपोर्ट रनवे भी बनाया जा रहा है। जगदलपुर, बिलासपुर और अम्बिकापुर एयरपोर्ट में ऑटोमेटेड एटीसी उपकरण स्थापित किए गए हैं।

मॉ दन्तेश्वरी एयरपोर्ट-राज्य शासन के प्रयासों से डायरेक्टर जनरल ऑफसिविल एविएशन (डीजीसीए) द्वारा 2 सी व्हीएफ्आर श्रेणी के जगदलपुर एयरपोर्ट से 72 सीटर विमान द्वारा हवाई सेवा की स्वीकृति दी गयी एवं 21 सितम्बर 2020 से बस्तर अंचल के विकास का एक नया अध्याय प्रारंभ हुआ, जब जगदलपुर से रायपुर- हैदराबाद-बैंगलोर सेक्टर में नियमित घरेलू विमान सेवा का संचालन प्रारंभ हुआ। जगदलपुर एयरपोर्ट से प्रतिमाह लगभग तीन हजार यात्रियों द्वारा विमान सेवा का लाभ लिया जा रहा है। इंण्डिगो विमानन कम्पनी द्वारा सप्ताह में बुधवार, शनिवार एवं रविवार को दिल्ली-रायपुर-जगदलपुर-रायपुर-दिल्ली सेक्टर के लिये पैरामिलीटरी फोर्स हेतु विमानन सेवा शुरू की गयी है। उम्मीद है कि शीघ्र ही इस वायुमार्ग पर सामान्य सिविल उड़ान सेवा भी प्रारम्भ हो जायेगी।

बिलासा देवी केंवट एयरपोर्ट-राज्य शासन द्वारा 41.00 करोड रुपए की लागत से बिलासपुर एयरपोर्ट का विकास, 3 सी व्हीएफआर श्रेणी में किया गया है, साथ ही डीजीसीए से लायसेंस प्राप्त किया गया है। यहां 01 मार्च 2021 से छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर हवाई सेवा से जुड़ गई। इस दिन 72 सीटर विमान द्वारा यहॉ से दिल्ली-जबलपुर-बिलासपुर-प्रयागराज वायु मार्ग में नियमित घरेलू विमान सेवा का संचालन प्रारंभ हुआ। इस एयरपोर्ट से प्रतिमाह लगभग तीन हजार यात्रियों द्वारा विमान सेवा का लाभ लिया जा रहा है। यहां से 5 जून 2022 से बिलासपुर-भोपाल के लिये नियमित घरेलू विमान सेवा भी प्रारम्भ हो चुकी है। इस एयरपोर्ट का विकास 4 सी व्हीएफआर श्रेणी में करने की योजना पर काम किया जा रहा है।

माँ महामाया एयरपोर्ट-प्रदेश के उत्तरी क्षेत्र को विमान सेवाओं से जोड़ने के लिए संभागीय मुख्यालय अम्बिकापुर के दरिमा एयरपोर्ट का विकास 3 सी व्हीएफ्आर श्रेणी में किया जा रहा है। इसके पूरा होने पर यहां 72 सीटर विमान से हवाई सेवा संचालन हो सकेगा। इसके साथ ही यहां रवने विस्तार व विकास कार्य के लिए 43.00 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति की गई है।

आटोमेटेड एटीसी सुविधा - जगदलपुर, बिलासपुर, अम्बिकापुर एयरपोर्ट में नियमित एटीसी सुविधा के विकास हेतु 8.00 करोड़ रूप्ए की लागत से ऑटोमेटेड एटीसी उपकरण स्थापित किए गए हैं। इससे अब इन एयरपोर्ट में विमानन गतिविधियों के बढ़ने पर किसी भी समय हेलीकॉप्टर और विमान की उड़ान व लैण्डिंग हेतु आवश्यक जानकारी प्राप्ति की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

कोरबा में व्यावसायिक एयरपोर्ट-कोरबा में व्यवसायिक एयरपोर्ट के विकास हेतु सर्वे पूरा हो गया है। यहां रूमगरा स्थित हवाई पट्टी के सर्वे में इसे व्यावसायिक एयरपोर्ट विकास के लिए उपयुक्त पाया गया है। हवाई पट्टी के रनवे विस्तार हेतु यहां भूमि भी उपलब्ध है।

कोरिया में नवीन हवाई पट्टी-कोरिया में नवीन हवाई पट्टी के विकास की योजना पर कार्य किया जा रहा है। हवाई पट्टी के विकास हेतु भूमि का चिन्हांकन कर तकनीकी सर्वे कार्य कराया जा चुका है।

आनंद सोलंकी-घनश्याम केशरवानी

बचपन लुटाकर दूसरों की तिजोरियां भरने को अभिशप्त

कैलाश सत्यार्थी, नोबेल पुरस्कार विजेता

साल 2002 में 12 जून को जब पहली बार विश्व बाल श्रम निषेध दिवस मनाया गया, तब हमें भरोसा था कि आने वाले 15-20 वर्षों में हम इस दिन को बाल मजदूरी की समाप्ति के उत्सव के रूप में मनाएंगे। लेकिन आज भी 16 करोड़ से अधिक बच्चे खेत-खलिहानों, खदानों, कारखानों आदि में अपना बचपन लुटाकर दूसरों की तिजोरियां भरने को अभिशप्त हैं। 16 करोड़ बच्चों के मजदूरी में लगे होने का अर्थ है, 16 करोड़ वयस्कों का रोजगार छिन जाना और स्कूलों में इतनी ही सीटों का खाली रह जाना। उल्लेखनीय है, साल 2000 से 2016 के बीच बाल मजदूरों की संख्या 25 करोड़ से घटकर 15 करोड़ हो गई थी। इसने यह दिखाया कि हमारे पास संसाधनों और तरीकों की कमी नहीं है। मगर बाद के चार वर्षों में हुई बढ़ोतरी बताती है कि बाल मजदूरी का मुद्दा विश्व की राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक प्राथमिकताओं में शामिल नहीं रहा। दुनिया ने पिछले 20 वर्षों में बाल श्रम उन्मूलन में कई अनुभव हासिल किए हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कानूनों को मुस्तैदी से लागू करना, मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बजट और अंतरराष्ट्रीय अनुदान में वृद्धि, बड़ी-बड़ी कंपनियों द्वारा निर्धन देशों में उत्पादन और आपूर्ति-शृंखला में बच्चों से कराई जाने वाली गुलामी को रोकने के लिए अमीर देशों द्वारा बनाए गए अंतरराष्ट्रीय प्रावधान, वयस्कों के लिए समुचित व सुरक्षित रोजगार और बच्चों के शोषण के विरुद्ध सामाजिक जागरूकता जैसे उपायों के अच्छे परिणाम निकले हैं। इसके अलावा एक और तरीका बहुत प्रभावी सिद्ध हुआ है, जो है- सामाजिक सुरक्षा कवच, यानी सामाजिक व आर्थिक रूप से पिछड़े व्यक्तियों को आर्थिक मदद मुहैया कराना। भारत में रोजगार गारंटी की मनरेगा योजना, स्कूलों में मध्याह्न भोजन कार्यक्रम, पिछड़े और वंचित समुदायों के बच्चों, खासकर लड़कियों के लिए वजीफे का इंतजाम, इसके कुछ उदाहरण हैं। ब्राजील में गरीब परिवारों के लिए शुरू सशर्त नकदी सहायता कार्यक्रम से बाल श्रम में गिरावट के साथ-साथ स्कूलों में दाखिले में उल्लेखनीय सुधार हुआ। दक्षिण अफ्रीका में अनुदान योजना से शुरुआती दो साल की उम्र में बच्चों के विकास की दर में आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसी तरह, मलावी, तंजानिया और जाम्बिया की सरकारों द्वारा चलाए गए नकदी प्रोत्साहन कार्यक्रमों से खतरनाक कामों में लगे बच्चों की संख्या में गिरावट आई है। परंतु ये सभी प्रयास समस्या के आकार के मुकाबले बहुत छोटे हैं।

दुर्भाग्य से गरीब और विकासशील देशों की सरकारें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर बहुत कम खर्च करती हैं। उनके पास उतना धन भी नहीं होता। नतीजतन, दुनिया के 74 फीसदी देशों के 90 प्रतिशत बच्चों को कोई सामाजिक सुरक्षा कवच नहीं मिलता। ज्यादातर अमीर देशों ने पिछले 70-75 वर्षों से सामाजिक सुरक्षा को बहुत प्रमुखता दी। हमारे समूह 'लॉरिएट्स ऐंड लीडर्स फॉर चिल्ड्रेंस' ने एक अध्ययन करवाकर विश्व समुदाय को बताया है कि केवल 53 अरब डॉलर के सालाना खर्च पर गरीब देशों के हर बच्चे को शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन आदि का इंतजाम किया जा सकता है। यह दुनिया भर में सेना और हथियारों पर होने वाले दस दिन के खर्च से भी कम है। यह विडंबना ही है कि यूरोप जितना पैसा अपने बच्चों की सामाजिक सुरक्षा पर खर्च करता है, उसके मात्र 1.4 प्रतिशत से दुनिया के सभी गरीब देशों के बच्चों के लिए स्वास्थ्य, सुरक्षा और शिक्षा का प्रबंध हो सकता है।

पिछले महीने बाल श्रम उन्मूलन के लिए दक्षिण अफ्रीका के डरबन में अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन का एक सार्थक सम्मेलन हुआ। यह एक अच्छा अवसर था, जब भारत बच्चों की सामाजिक सुरक्षा के लिए किए जा रहे कामों के प्रभाव को दुनिया के सामने प्रभावी ढंग से रख सकता था। लेकिन इसमें किसी वजह से हमारे देश से कोई मंत्री शामिल नहीं हो पाया। अब भी मौका है, भारत अपने बच्चों की सामाजिक सुरक्षा का बजट बढ़ाकर, गरीब देशों में वैक्सीन के साथ-साथ कोरोना के कारण अति-निर्धनता और बाल मजदूरी में धकेले जा रहे बच्चों की सहायता के लिए वैश्विक सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था बनाने की योजना का समर्थन और अगुवाई कर सकता है। यह बाल मजदूरी को रोकने का सार्थक कदम होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

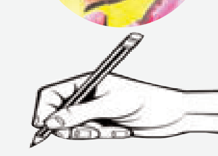

खामोश नजरें,
इधर-उधर क्या
ढूंढती, खुद में
इतना शोर फिर,
बहार क्या ढूंढती?

-अंजली जैन
7024460938

हमारे भीतर का संसार

यह पूरी सृष्टि पांच तत्वों और दस इंद्रियों से बनी हुई है। क्या अधिक महत्वपूर्ण है- विषय-वस्तु या ज्ञानेंद्रियां? विषय-वस्तुओं की तुलना में ज्ञानेंद्रियां अधिक महत्वपूर्ण हैं। जैसे, आंखें टीवी से ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। कई लोग यह समझ नहीं पाते। वे समझते हैं कि वस्तु इंद्रियों से ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। वे जानते हैं कि बहुत ज्यादा टीवी देखना आंखों के लिए अच्छा नहीं है, पर आंखों की परवाह किए बिना टीवी देखते रहते हैं। वे जानते हैं, उनका पाचन तंत्र ज्यादा भोजन नहीं चाहता, पर ज्यादा खा लेते हैं। मन इंद्रियों से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है। जब मन की परवाह न करते हुए केवल इंद्रियों पर ध्यान दिया जाता है, तब व्यक्ति अवसादग्रस्त हो जाता है। वह मन से ज्यादा वस्तु के लिए लालायित होता है, जो अवसाद का कारण बनता है। तो मन की गति को कैसे रोका जाए? इसका उत्तर है ध्यान और श्वास प्रक्रिया। इससे मनुष्य को परमानंद का अनुभव मिल सकता है। परमानंद में रहना पूर्ण विश्राम है। इससे हमारे भीतर के आकाश की शुद्धि होती है, उस आकाश की, जो जीवन को संचालित करता है। मनुष्य के सभी विचार व भावनाएं इसी आकाश से उभरती हैं, जिसकी वह कठपुतली है। लेकिन हम शायद ही कभी अपने भीतर के संसार को देखने का समय निकालते हैं। हम सोचने से पहले ही कदम उठा लेते हैं, अपनी भावनाओं को शांत किए बिना ही अपनी प्रतिक्रिया कर देते हैं। आत्मसंयम तो सिर्फ द्वारपाल जैसा है, जबकि मालकिन भावनाएं हैं। इसलिए जब मालकिन घर में प्रवेश करती है, तब द्वारपाल रास्ता छोड़कर उसे आने देता है। इसलिए भावनाओं को शांत करना जरूरी है।

लोक सेवकों के चयन का इतना हल्ला क्यों

हरिशंकर व्यास

राज्यसभा चुनाव के अलावा जिस बात की इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा है वह लोक सेवकों का चयन है। संघ लोक सेवा आयोग यानी यूपीएससी के जरिए अखिल भारतीय सेवाओं के 6 8 5 अधिकारियों का चयन हुआ है। इसमें आईएएस, आईएफएस, आईपीएस और अन्य अधिकारी हैं। यानी इसमें चुने गए लड़के-लड़कियां आगे कलेक्टर, एसपी बनेंगे। हर तरफ इसकी चर्चा है। अमुक प्रतिभागी ने अमुक जगह से पढ़ाई की। अमुक संस्थान ने उसकी मदद की। अमुक प्रतिभागी अमुक जाति का है या अमुक राज्य का है। हर राज्य के लोग सोशल मीडिया में झूठी-सच्ची सूची प्रकाशित कर रहे हैं कि उसके राज्य से कितने ज्यादा प्रतिभागियों का चयन हुआ। कोचिंग कराने वाले संस्थान अलग श्रेय लेने की होड़ में हैं। एक ही चयनित प्रतिभागी का नाम एक दर्जन संस्थानों की ओर प्रकाशित पोस्टर में दिख रहा है। चुने गए प्रतिभागी इंटरव्यू दे रहे हैं कि कैसे बचपन से उनका सपना था कि आईएएस या आईपीएस बनें और देश व समाज की सेवा करें।

सोचें, इस सेवा में चुने गए अधिकारी क्या समाज सेवा करेंगे या देश के विकास में क्या योगदान करेंगे? सोचें, अमेरिका या यूरोप के देशों में जहां सिविल सेवा की ऐसी परीक्षा नहीं होती है या आईएएस, आईपीएस अधिकारी नहीं बनते हैं क्या वहां लोगों की सेवा नहीं होती है या देश तरक्की नहीं करता है? दुनिया के किसी और देश में ऐसा सुनने को नहीं मिलता है कि अमुक सेवा के लिए चुना जाना बहुत महान बात है। यह भी नहीं सुनने को मिलता है किसी के किसी खास सेवा में चुन लिए जाने पर राज्य और जातियों के लोग अपने को गौरवान्वित महसूस करें। वहां लोगों की उपलब्धियों पर तो गौरवान्वित महसूस करने का चलन है। भारत एकमात्र देश होगा, जहां किसी व्यक्ति के किसी नौकरी के लिए चुन लिए जाने को उपलब्धि माना जाता है। वह सरकार का नौकर लग गया तो यह बड़ी उपलब्धि है- उस व्यक्ति के लिए भी, उसकी जाति के लिए भी, उसके पड़ोसियों के लिए भी और उसके जिले और राज्य के लिए भी।

सोचें, यह कैसी बेसिर-पैर की बात है। अगर किसी सेवा का कोई व्यक्ति कोई ऐसा काम करता है, जिससे देश और समाज को फायदा हो तब उस पर गौरवान्वित हुआ जा सकता है लेकिन किसी खास नौकरी के लिए चुन लिए जाने में क्या गौरव की बात है? भारत में है क्योंकि उस नौकरी में शाही ठाठ जुड़ा हुआ है। कहने को इस नौकरी का नाम लोक सेवा है लेकिन इसके अधिकारी नौकर नहीं, बल्कि मालिक होते हैं। यह अनायास नहीं है कि अंग्रेज के जमाने में जिसे कलेक्टर कहा जाता था और जिसका काम राजस्व संग्रह करना था वह आजाद भारत के शासन में जिलाधिकारी या जिलाधीश बन गया।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

कृषि मंत्री ने केन्द्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री और केन्द्रीय कृषि मंत्री को लिखा पत्र

छत्तीसगढ़ राज्य को सप्लाई प्लान के अनुरूप रासायनिक उर्वरकों की आपूर्ति का किया आग्रह

श्रीकंचपथ न्यूज

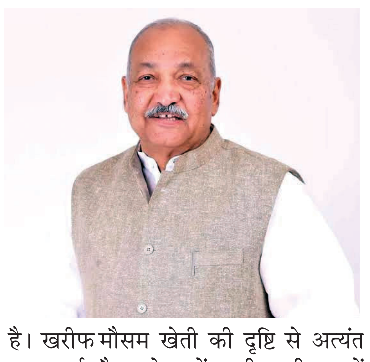

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य को खरीफ सीजन 2022 के लिए सप्लाई प्लान के अनुरूप रासायनिक उर्वरकों की कम आपूर्ति के संबंध में कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने केन्द्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया तथा केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर को पत्र लिखा है।

मंत्री चौबे ने अपने पत्र में खरीफ के लिए अप्रैल एवं मई माह के सप्लाई प्लान के अनुरूप छत्तीसगढ़ राज्य को उर्वरक प्रदाय की मात्रा में की गई 2 लाख 5 हजार 82 मीट्रिक टन की कमी की तत्काल आपूर्ति के साथ ही राज्य को जून माह की सम्पूर्ण मांग के अनुरूप उर्वरक प्रदाय कराने का अनुरोध केन्द्रीय मंत्री द्वय से किया है।

कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने अपने पत्र में लिखा है कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है। प्रदेश की 80 प्रतिशत जनता खेती से जुड़ी है। खरीफ मौसम खेती की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रदेश में खरीफ सीजन में 48.20 लाख हेक्टेयर में फसलों की बुआई की जाती है, जिसमें 40.50 लाख हेक्टेयर में धान एवं अन्य अनाज, 3.76 लाख हेक्टेयर में दलहन, 2.55 लाख हेक्टेयर में तिलहन तथा 1.32 लाख हेक्टेयर में अन्य फसलों की बुआई की जाती है।

खरीफ2022 में छत्तीसगढ़ राज्य के लिए कुल 13.70 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की स्वीकृति भारत सरकार द्वारा दी गई है। राज्य को अप्रैल एवं मई माह में 3.29 लाख मीट्रिक टन यूरिया सप्लाई प्लान के अनुसार मिलना था, जबकि राज्य को उक्त दोनों माह में मात्र 2.30 लाख मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति हुई, जो कि सप्लाई प्लान से 99,378 मीट्रिक टन कम है। इसी तरह 1.60 लाख मीट्रिक टन डीएपी की सप्लाई के स्थान पर छत्तीसगढ़ को मात्र 1.09 लाख मीट्रिक टन डीएपी की आपूर्ति की गई, जो कि सप्लाई प्लान से 51,034 मीट्रिक टन कम है। इसी तरह राज्य को सप्लाई प्लान के मुताबिक एमओपी 18,309 मीट्रिक टन तथा एनपीके 36,361 मीट्रिक टन उर्वरक कम मिला है। इस प्रकार उक्त दोनों महीनों के सप्लाई प्लान के विरूद्ध छत्तीसगढ़ राज्य को कुल 2.05 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की आपूर्ति कम हुई है।

मंत्री चौबे ने अपने पत्र में लिखा है कि छत्तीसगढ़ राज्य के लिए जून माह में निर्धारित मांग 2.66 लाख मीट्रिक टन के विरूद्ध मात्र 2.10 लाख मीट्रिक टन उर्वरक सप्लाई प्लान की स्वीकृति दी गई है, जो कि 56 हजार मीट्रिक टन कम है। उन्होंने कहा है कि छत्तीसगढ़ को उर्वरक, मांग एवं सप्लाई प्लान के विरूद्ध कम आपूर्ति की जा रही है। चौबे ने लिखा है कि प्रदेश में मानसून प्राय: जून माह के द्वितीय सप्ताह में सक्रिय होता है तथा उर्वरकों के उठाव में बहुत तेजी से वृद्धि होती है। राज्य में उर्वरकों की कमी से खरीफ कार्यक्रम के साथ-साथ कानून व्यवस्था भी निश्चित रूप से प्रभावित होगी। उन्होंने केन्द्रीय मंत्री द्वय से प्रदेश की माहवार उर्वरक सप्लाई प्लान के अनुसार अप्रैल एवं मई माह के शेष उर्वरक 2.05 लाख मीट्रिक टन एवं जून माह के सप्लाई प्लान में संशोधन करते हुए जून माह के प्रदेश की सम्पूर्ण मांग के अनुरूप उर्वरक प्रदाय करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने का आग्रह किया है।

लोक निर्माण मंत्री ने निर्माणाधीन ब्रिज, रेलवे अंडर ब्रिज और एक्सप्रेसवे का किया निरीक्षण

अधिकारियों को निर्देश: निर्माण कार्यो से आम नागरिकों को ना हो परेशानी

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। लोक निर्माण मंत्री ताम्रध्वज साहू ने आज राजधानी रायपुर के विभिन्न इलाकों में निर्माणाधीन ब्रिज, रेलवे अंडर ब्रिज और एक्सप्रेसवे का सघन निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। साहू ने कहा कि बारिश के दौरान भी निर्माण कार्य सतत जारी रखें। आम नागरिकों को निर्माण कार्य के कारण किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। अधिकारी निर्माण कार्यों की सतत निगरानी करें।

लोक निर्माण मंत्री साहू ने आज रायपुर के डीआरएम कार्यालय, गोगांव एवं तेलघानी नाका के पास के बन रहे अंडर ब्रिज, एक्सप्रेस-वे, एम एम आई हॉस्पिटल के पास निर्माधाधीन ब्रिज का निरीक्षण किया। उन्होंने रेलवे अंडर ब्रिज निर्माण से संबंधित अधिकारियों से कहा कि रेलवे से समन्वय कर कार्य समय पर पूर्ण करें। बारिश से पहले सभी बड़े कार्य पूर्ण कर लें, साथ ही बारिश के दौरान पूर्ण हो सकने वाले कार्यों को भी श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर कार्य पूर्ण कराएं। मंत्री साहू ने एक्सप्रेस-वे और ब्रिज निर्माण से संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शेष बचे कार्यों को त्वरित गति से पूरा करें। ताकि इसका शीघ्र लोकार्पण हो सके और आम नागरिकों को इन क्षेत्रों में सुविधाजनक यातायात का लाभ मिल सके। निरीक्षण के दौरान संबंधित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

खास खबर

एमएड और बीएड विभागीय प्रशिक्षार्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन 25 तक

रायपुर। शिक्षा सत्र 2022-24 के लिए एम.एड. और बी.एड. विभागीय प्रशिक्षार्थियों की प्रवेश प्रक्रिया 6 जून से प्रारंभ हो गई है। प्रवेश के इच्छुक एम.एड. और बी.एड. के विभागीय प्रशिक्षार्थी 25 जून तक एससीईआरटी की वेबसाइट ह्यष्द्गह्ल.ष्द्द.द्दश1.द्बठ्ठ में निर्धारित प्रारूप में ऑनलाइन आवेदन भर सकते हैं। इस भरे हुए आवेदन का प्रिंट आउट प्राप्त कर आवेदक को हार्डकॉपी में आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने प्राचार्य से अग्रेषित कराकर 01 जुलाई 2022 तक संबंधित महाविद्यालय में जमा करना होगा। प्राचार्य शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार स्कूल शिक्षा विभाग ई एवं टी संवर्ग के व्याख्याता, व्याख्याता एल.बी., व्याख्याता पंचायत, प्रधानपाठक उच्च प्राथमिक शाला, उच्च श्रेणी शिक्षक, शिक्षक एल.बी., शिक्षक पंचायत, प्रधानपाठक प्राथमिक शाला, सहायक शिक्षक, सहायक शिक्षक एल.बी. और सहायक शिक्षक पंचायत आपने आवेदन को यथास्थिति संबंधित महाविद्यालय में 01 जुलाई 2022 तक जमा करेंगे।

कान्हा क्लब ने निकाली यातायात जागरूकता रैली

गरियाबंद। बढ़ते दुर्घटना को ध्यान में रखते हुए आज हर नागरिक चिंतित है , वही हर लोग और हर संस्था के द्वारा लोगो मे यातायात के प्रति जागरूकता लाने प्रयास किया जा रहा है ,ताकि दुर्घटना को रोका जा सके और लोग अपनी सुरक्षा स्वयं महसूस करे। इसी के तहत गरियाबंद नगर के कान्हा क्लब के तत्वधान में सभी बच्चे और बड़े खिलाड़ियों ने यातायात के प्रति लोगो में जगरुकता फैलाने रैली निकाली यह रैली नगर के विभिन्न चौक चौराहों से होते हुए गौरव पथ नेशनल हाईव छुरा रोड से गुजरते हुए हाथों में तख्ती लिए यातायात संबंधी नारों को बोलते हुए यातायात के प्रति जागरूकता फैलाने यह बच्चे सड़कों पर उतरे साथ ही हाथों में हेलमेट व अन्य यातायात नियमों के नारे लिखे हुए थे ।

16 से जिले में शिक्षा के मंदिर फिर होंगे गुलजार

नौनिहालों को तिलक-वंदन कर जिले भर के स्कूलों में मनाया जाएगा शाला प्रवेशोत्सव

श्रीकंचपथ न्यूज

रायगढ़। शिक्षा के बिना विकास की कल्पना अधूरी है। पढ़ लिख कर ही बच्चे शिक्षा व विकास की मुख्यधारा से जुड़ सकते हैं। अच्छी शिक्षा ही छात्र के जीवन के विकास का आधार होती है जिसके बलबूते ही छात्र अपने जीवन में सफलता की नयी ऊंचाइयों तक पहुंच सकते हैं। एक लंबे ग्रीष्मावकाश के बाद 16 जून 2022 से पुन: शिक्षा के मंदिर गुलजार होने जा रहे हैं। नौनिहालों के आगमन से जिले के विद्यालयों में शिक्षा के चमन फिर से खिल उठेंगे जिसकी पूर्व तैयारी शासन प्रशासन व विभागीय स्तर पर पूर्ण हो चुकी है। जिसके तहत 16 जून को नवागत छात्र-छात्राओं को प्रवेश

दिला कर उनका तिलक वंदन से स्वागत करते हुए जिले भर के स्कूलों में जिला, विकासखंड व संकुल स्तर पर शाला प्रवेशोत्सव मनाया जाएगा जिसमें जिले के कलेक्टर, विधायक, स्थानीय जनप्रतिनिधि आदि शाला प्रवेश उत्सव के इस पुनीत कार्य के सहभागी व साक्षी बनेंगे। शिक्षा के लोकव्यापी करण के लिए शासन, प्रशासन व स्कूल शिक्षा विभाग हमेशा से दृढ़ संकल्पित रहा है। स्कूल चले हम अभियान के तहत नि:शुल्क गणवेश वितरण, पाठ्य पुस्तक वितरण, मध्यान्ह भोजन, साईकिल वितरण, छात्रवृत्ति वितरण आदि योजनाओं के माध्यम से शिक्षा को प्रोत्साहित करने कार्य यह पुनीत प्रयास हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जारी रहेगा। बच्चों के भविष्य पर ही देश का भविष्य निर्भर है अत: शाला जाने योग्य प्रत्येक बच्चों को शाला में प्रवेश दिलाते हुए उसे बेहतर शिक्षा प्रदान करना ही शाला प्रवेशोत्सव का प्रमुख उद्देश्य रहेगा। विदित हो कि 16 जून 2022 को शालेय प्रवेश उत्सव के दौरान नौनिहालों का तिलक वंदन कर जिला स्तर, विकासखंड स्तर व संकुल स्तर पर जिले के हर विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक व नि:शुल्क गणवेश वितरण करते हुए नियमित रूप से स्कूल आने व मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान नवीन शैक्षणिक सत्र 2022-23 में 16 जून से ही राज्य के प्रत्येक जिले में बालवाड़ी भी अस्तित्व में आ जाएगी जिसके तहत प्री प्राइमरी शिक्षा की तैयारी भी शासन प्रशासन व विभागीय स्तर पर पूर्ण हो चुकी है। विदित हो कि 16 जून से ही प्रत्येक स्कूल में पढ़ाई प्रारंभ किया जाना है।

आवर्ती चराई क्षेत्र विकास योजना के तहत कार्यशाला सम्पन्न

श्रीकंचपथ न्यूज

गरियाबंद। गरियाबंद जिले में शासन की महत्वाकांक्षी योजना नरवा,गरूवा, घुरूवा,बाड़ी अंतर्गत आवर्ती चराई क्षेत्र (गौठान) विकास के तहत वन विभाग के ऑक्सन हाल में विगत 8 जून 2022 को गौठान निर्माण एवं उनके सुचारू रूप से संचालन के संबंध में कार्यशाला आयोजित किया गया।कार्यशाला में कृषि विभाग,पशुधन विभाग,मत्स्य विभाग,पंचायत विभाग के अधिकारियों के द्वारा गौठान संचालन एवं अन्य गतिविधियों के बारे में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के फील्ड स्टॉफ को विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। छत्तीसगढ़ शासन की महती योजना नरवा, गरूवा, घुरूवा,बाड़ी योजना की विस्तृत जानकारी दी गई एवं गोधन न्याय योजना के तहत गौठान निर्माण की आधारभूत संरचना,गौठान के मुख्य नौ निर्देशक तत्व,जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति,ग्राम गौठान प्रबंधन समिति,गौठान एवं चारागाह निर्माण की जानकारी, के उद्देश्य की विवरणात्मक जानकारी दी गई।

पशुधन विभाग के पशु चिकित्सक शल्यज्ञ डॉ सुधीर पंचभाई द्वारा घरेलु पशुधन एवं घुमंतु पशुधन हेतु शेल्टर की व्यवस्था, गौठानों में वर्मीकम्पोस्ट हेतु आवश्यक अधोसंरचना,गौठानों में चारागाह नेपियर घांस एवं सुपर नेपियर घांस उत्पादन, गौठान में पैरादान, बैकयार्ड कुक्कुट पालन, बकरी अद्यमिता विकास योजना एवं पुशधन विभाग के कार्यकलाप के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

कांग्रेस शहर आईटी सेल ने कांग्रेस आईटी सेल शहर कार्यकारिणी का किया घोषणा

श्रीकंचपथ न्यूज

रायगढ़। जिला कांग्रेस शहर आईटी सेल अध्यक्ष शादाब अली ने कांग्रेस आईटी सेल रायगढ़ शहर के हर क्षेत्र से 2 उपाध्यक्ष,3 महासचिव,2 सचिव,एवम 3 सह सचिव सहित रायगढ़ की कार्यकारिणी की सूची जारी करते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ,कांग्रेस आईटी सेल राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहन गुप्ता एवम छत्तीसगढ़ कांग्रेस आईटी सेल प्रदेश अध्यक्ष जयवर्धन बिस्सा की भावनाओ के अनुरूप एवम जिला कांग्रेस रायगढ़ ग्रामीण अध्यक्ष अरुण मालाकार ,एवम रायगढ़ जिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष अनिल शुक्ला जी,लोकसभा रायगढ़ कांग्रेस आई टी सेल अध्यक्ष वसीम खान जी के अनुसंशा को जिला कांग्रेस ग्रामीण प्रभारी महामंत्री विकास शर्मा जी, द्वारा कांग्रेस आईटी सेल की मजबूती प्रदान करने हेतु कांग्रेस आईटी सेल रायगढ़ शहर पदाधिकारियों की नियुक्ति जारी की गई है आशा है कि अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी के मंशानुरूप छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश के रीति नीति एवं सिद्धांतों पर गांधी के भावनाओं से ओतप्रोत पार्टी संगठन को मजबूती प्रदान करने एवं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी के द्वारा प्रदेश में किए जा रहे जन कल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने हेतु पूरी निष्ठा और ईमानदारी से दायित्व का निर्वहन करते रहेंगे।

मंत्री श्रीमती अनिला भेंडिया ने एकीकृत नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केन्द्र का किया शुभारंभ

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती अनिला भेंडिया ने नगरपालिका बालोद अंतर्गत एकीकृत नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केन्द्र का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नशामुक्ति केन्द्र में नशे की बुरी लत को खत्म करने, नशे से छुटकारा दिलाने व उससे दूर रहने के लिए परामर्श प्रदान किया जाता है। इससे अब नशे की बुरी लत से प्रभावित लोगों को नशापान से छुटकारा पाने

में काफी मदद मिलेगी। नशामुक्ति एवं पुनर्वास केन्द्र में आने वाले लोगों को विभिन्न प्रकार की सुविधाएँ नि:शुल्क मिलेगी, जिसमें नशापान से दूर रहने हेतु परामर्श के साथ ही रहने की सुविधा, नि:शुल्क स्वास्थ्य जॉच, योगाभ्यास, मेडिटेशन, संगीत, व्यायाम, इंडोरगेम सहित अन्य प्रकार की सुविधाएँ प्रदान की जाएगी।

यह नशामुक्ति के क्षेत्र मे एक अच्छा कदम है। कार्यक्रम को संजारी-बालोद विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा ने भी संबोधित किया और लोगों को नशापान के दुष्प्रभाव से बचने प्रेरित किया। इस अवसर पर गणमान्य नागरिकगण व समाज कल्याण विभाग के अधिकारी.कर्मचारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

शासन की योजनाओं का लाभ निर्धारित समय पर उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

हितग्राहियों को अधिक से अधिक ऋण दें बैंकर्स - कलेक्टर

श्रीकंचपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की तिमाही डीएलसीसी की बैठक कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित हुई। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि श्री लीलाराम भोजवानी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री सिन्हा ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम सहित अन्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की एवं पिछले वित्तीय वर्ष के सभी निर्धारित लक्ष्य समय में प्राप्त करने के लिए बैंक की प्रशंसा की।

कलेक्टर ने कहा कि जिले में स्वसहायता समूह की महिलाएं अच्छा कार्य कर रही हैं। उन्हें प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी बैंकर्स से कहा कि आजीविका मूलक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें अधिक से अधिक ऋण प्रदान करें। समूह की महिलाएं समय पर ऋण की किश्त भी चुका रही हैं। उन्होंने सभी बैंकों से स्वसहायता समूह की महिलाओं को आजीविका से जुडने् हेतु दिए जा रहे ऋण तथा एनपीए प्रतिशत मात्र 2 प्रतिशत होने पर खुशी जाहिर की और सभी शाखा प्रबंधकों से आग्रह किया कि स्वसहायता समूह के कार्यों को देखने के लिए भ्रमण करें। उन्होने कहा कि अंत्यावसायी विभाग के प्रकरण बैंकों मे लंबित है जिसके कारण हितग्राहियों को समय पर लाभ प्राप्त नहीं हो रहा है। उन्होंने सभी बैकर्स को शासन की योजनाओं का लाभ निर्धारित समय पर हितग्राहियों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि बैकों में स्वयं समन्वय बनाकर लंबित प्रकरणों का निराकरण कराये।

कलेक्टर श्री सिन्हा ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला उद्योग केंद्र की योजनाओं के लक्ष्य प्राप्ति पर बधाई दी। पशुपालन विभाग एवं मछली पालन विभाग के लंबित प्रकरणों को जल्द से जल्द लाभार्थियों को प्रदान करने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने जिले में आरसेटी द्वारा किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सराहना की। वही आरबीआई के प्रबंधक नवीन तिवारी ने उपस्थित बैकों के प्रतिनिधियों की जिले में वित्तीय जागरूकता हेतु किए गए शिविर की सराहना की। उन्होंने डिजिटल फ्राड्स हेतु जागरूकता लाने के लिए बैंकों का मार्दर्शन किया। जिला अग्रणी प्रबंधक श्री अजय कुमार त्रिपाठी ने वर्ष 2022 - 23 के निर्धारित लक्ष्य बैंकों से साझा किये एवं जिले के सुदूर क्षेत्र जहां बैंकिंग सुविधाएं कम हैं वहां बैंक प्रतिनिधि, एटीएम आदि के माध्यम से सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए बैंकों को आगे आने को कहा। जिला अग्रणी प्रबंधक द्वारा बैठक में उपस्थित सभी शाखा प्रबंधकों एवं विभागों के प्रतिनिधियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

सरकार तुंहर द्वार शिविर में दिलेश्वरी का बना नया बीपीएल राशन कार्ड

श्रीकंचपथ न्यूज

कोरबा। सरकार तुंहर द्वार कार्यक्रम अंतर्गत विकासखण्ड कटघोरा के ग्राम नवागांव कला में आयोजित वृहद समाधान शिविर में मती दिलेश्वरी निषाद का नया बीपीएल राशन कार्ड बन गया। नया राशन कार्ड बनने से दिलेश्वरी को रियायत दर पर राशन सामग्री शासकीय उचित मूल्य की दुकान से मिलेगी। नया बीपीएल कार्ड बनने के पश्चात अब खर्च में भी बचत होगी।

साथ ही शासकीय योजनाओं का भी अधिक लाभ मिलेगा। ग्राम सलोरा क की रहने वाली दिलेश्वरी के राशन कार्ड में पति सहित उनके दो बच्चो के भी नाम शामिल है। इससे दिलेश्वरी को 35 किलोग्राम चावल महीने में प्राप्त होगा। दिलेश्वरी ने बताया कि पहले एपीएल राशन कार्ड बना था। उसमें 10 रूपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से महीने में 350 रूपये चांवल खरीदने में खर्च हो जाते थे। गरीब परिवार से होने के कारण खर्च वहन करने में परेशानी होती थी। अब प्राथमिकता श्रेणी के बीपीएल राशन कार्ड बन जाने से एक रूपये प्रति किलोग्राम की दर से चांवल शासकीय राशन दुकान से प्राप्त होगी। उन्होने बताया कि अब महीने में चांवल में होने वाले खर्च बच जाएगें। जिससे घर के अन्य जरूरतमंद की चीजें लेने में आसानी होगी। बीपीएल राशन कार्डधारी होने से दिलेश्वरी को अन्य शासकीय योजनाओं का भी अधिक लाभ मिलेगा। शिक्षा के अधिकार के तहत निजी स्कूलों में बच्चों के दाखिले में आसानी होगी।

खास खबर

राज्य ओपन स्कूलः हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी परीक्षा आयोजन की कार्ययोजना

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल द्वारा आयोजित हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी परीक्षाओं के आयोजन के लिए कार्ययोजना तैयार की गई है। जिसके अनुसार प्रत्येक वर्ष परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। कार्ययोजना के अनुसार अप्रैल की परीक्षा के लिए सामान्य परीक्षार्थी से 16 जुलाई से 31 दिसम्बर तक सामान्य शुल्क और 01 जुलाई से 15 जुलाई तक विलंब शुल्क की तिथियां निर्धारित की गई हैं। अवसर परीक्षा- माह सितम्बर में परीक्षा परिणाम जारी होने के अगले दिवस से 31 दिसम्बर तक सामान्य शुल्क और 01 जनवरी से 15 जनवरी तक विलंब शुल्क के साथ निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार सितम्बर में परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए आवेदन की तिथियां सामान्य परीक्षार्थी के लिए सामान्य शुल्क 16 जनवरी से 30 जून तक और 01 जुलाई से 15 जुलाई तक विलंब शुल्क के लिए निर्धारित किया गया है। अवसर परीक्षा अप्रैल में परिणाम जारी होने के अगले दिन से 30 जून तक सामान्य शुल्क और 01 जुलाई से 15 जुलाई तक विलंब शुल्क तक परीक्षा आवेदन फॉर्म जमा कर सकेंगे।

सचिव छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल ने बताया कि मुख्य परीक्षा 2022 के अनुत्तीर्ण छात्र अवसर परीक्षा के लिए 11 जून 2022 से ऑनलाइन पोर्टल पर अध्ययन केन्द्र के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं एवं ऐसे छात्र जो छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल की परीक्षा में प्रथम बार आवेदन करना चाहते हैं वे भी 11 जून 2022 से मुख्य परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन करने की सामान्य शुल्क के साथ अंतिम तिथि 30 जून तक है। विलंब शुल्क के साथ परीक्षा आवेदन की तिथि 01 जुलाई से 15 जुलाई तक है।

छत्तीसगढ़ को केन्द्र से लगातार चार वर्षो से डीएपी की कम आपूर्ति

रायपुर। लगातार चार वर्षों से छत्तीसगढ़ को केंद्र से एलॉटमेंट के विरुद्ध कम डीएपी खाद प्राप्त हुई है। खरीफ वर्ष 2022 के लिए छत्तीसगढ़ को आवंटित 2 लाख 10 हजार 400 मेट्रिक टन डीएपी के विरुद्ध अब तक 01 लाख 16 हजार 875 मेट्रिक टन डीएपी खाद मिली है। हालांकि खरीफ2022 के लिए 01 लाख 80 हजार मेट्रिक टन के लक्ष्य के विरुद्ध छत्तीसगढ़ को 2 लाख 10 हजार 400 मेट्रिक टन डीएपी खाद का आवंटन दिया गया है। इसी प्रकार खरीफ वर्ष 2021 में 2 लाख 30 हजार मेट्रिक टन डीएपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ को 1 लाख 62 हजार 027 मेट्रिक टन डीएपी खाद का आवंटन प्राप्त हुआ था, जिसमें से मात्र 1 लाख 21 हजार 517 मीट्रिक टन डीएपी राज्य को मिला। इसी तरह वर्ष 2020 में 2 लाख 63 हजार 982 मेट्रिक टन डीएपी के आवंटन के विरुद्ध 1 लाख 67 हजार 769 मेट्रिक टन, खरीफ वर्ष 2019 में 3 लाख 57 हजार 262 मीट्रिक टन के आवंटन के विरुद्ध 1 लाख 29 हजार 288 मेट्रिक टन डीएपी खाद प्राप्त हुई थी।

अमृत सरोवर के लिए नियुक्त पंचायत प्रतिनिधियों एवं पंचायत स्तर के अधिकारियों के लिए वेबीनार-प्रशिक्षण

रायपुर। सतही और भूमिगत जलस्त्रोतों में पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए शुरु किए गए मिशन अमृत सरोवर के अंतर्गत सरोवर (तालाब) के निर्माण और जीर्णोद्धार कार्य के क्रियान्वयन एवं डाक्यूमेंटेशन सहित प्रगति की रिपोर्टिंग के लिए श्पंचायत स्तर के अधिकारीश् तथा सरोवर निर्माण के प्रत्येक स्तर पर सामुदायिक निगरानी व भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए श्पंचायत प्रतिनिधिश् मनोनित किए गए हैं। इनके क्षमता विकास एवं अमृत सरोवर में इनकी भूमिका की जानकारी देने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद के द्वारा वेबीनार के जरिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। यह प्रशिक्षण पंचायत संचालनालय के अधिकारियों के सहयोग से दिया जाएगा।

मनरेगा आयुक्त मोहम्मद कैसर अब्दुलहक ने बताया कि मिशन अमृत सरोवर के संबंध में केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली के द्वारा जारी मार्गदर्शिका के अनुसार प्रत्येक जिले में चिन्हांकित अमृत सरोवर के लिए एक पंचायत स्तरीय अधिकारी एवं एक पंचायत प्रतिनिधि का चयन किया गया है। इन्हें मिशन अमृत सरोवर के संबंध में 11 जून को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दो सत्रों में ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कोई भी पात्र वन अधिकार पत्र से वंचित न रहेः शम्मी आबिदी

वन अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में जिलों के मास्टर ट्रेनर्स का रिफ्रेशर प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आयुक्त सह-संचालक आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान शम्मी आबिदी ने कहा कि वन अधिकार प्राप्त करने से कोई भी पात्र हितग्राही वंचित न रहे। व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वन अधिकारों की मान्यता हेतु अपनाई जा रही प्रकिया का पूर्ण पारदर्शिता एवं सतर्कता के साथ पालन किया जाए। श्रीमती आबिदी वन अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में जिलों के मास्टर ट्रेनर्स के एक दिवसीय राज्य स्तरीय पुनश्चर्या (रिफ्रेशर) प्रशिक्षण का शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रही थीं। एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभाकक्ष में किया गया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए श्रीमती आबिदी ने कहा कि मास्टर ट्रेनर्स इस प्रशिक्षण सत्र का पूरा लाभ लें, ताकि जिलों में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मैदानी स्तर के अमले तथा वन अधिकार से संबंधित प्राधिकारियों को प्रभावी रूप से प्रशिक्षण दिया जा सके। ताकि जिलों में विशेषकर ग्राम सभा स्तर पर वन अधिकारों के बारे में पर्याप्त जागरूकता हो सके तथा अधिनियम के क्रियान्वयन करने में आ रही व्यावहारिक कठिनाईयों का नियमानुसार समाधान हो सके। उन्होंने एसडीएलसी द्वारा ग्राम सभाओं को आवश्यक जानकारी, अभिलेख भी उपलब्ध कराने के संबंध में मास्टर ट्रेनर्स को जिलों में वन अधिकार प्राधिकारियों को प्रशिक्षण दिए जाने के निर्देश दिए।

कार्यशाला को वन विभाग से अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरूण पांडे, अपर संचालक, संजय गौड़, प्रखर जैन ने भी संबोधित किया। प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए विभाग में कार्यरत यूएनडीपी के प्रशिक्षक मनोहर ने ग्राम सभा की प्रकृति एवं भूमिका, वन अधिकार अधिनियम-2006 के संबंध में जागरूकता, वन अधिकार समिति की भूमिका एवं व्यक्तिगत वन अधिकार पत्रों के संबंध में मुद्दे एवं चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों पर कंडिकावार विस्तार से चर्चा कर मास्टर ट्रेनर्स की शंकाओं का समाधान किया।

यूएनडीपी के प्रशिक्षक विभोर देव ने सामुदायिक वन अधिकार एवं सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पर विस्तार से चर्चा करते हुए, इस संबंध में आ रही कठिनाईयों को दूर करने के संबंध में सुझाव दिए। उन्होंने वन अधिकार की आनॅलाइन प्रविष्टियों के संबंध में जियोटैगिंग की प्रकिया एवं फॉर्म फिलिंग प्रक्रिया को भी विस्तार से समझाया। यूएनडीपी के प्रशिक्षक राजेश कुमार द्वारा पीवीटीजी के पर्यावास अधिकारों के बार में कार्यशाला में चर्चा की गई। कार्यशाला में सुश्री रेणुका रात्रे द्वारा भी मान्य वन अधिकारों को राजस्व अभिलेखों में दर्ज किए जाने के संबंध में जानकारी दी गई।

उल्लेखनीय है कि अनुसूचित जनजातियों और अन्य परंपरागत वन निवासियों के लिए वन अधिकार पत्र प्राप्त होने की पात्रता तिथि 13 दिसम्बर 2005 निर्धारित की गई है। इस तिथि के पूर्व से वन भूमि पर जीवनयापन कर रहे हितग्राही वन अधिकार पत्र प्राप्त करने के लिए पात्र माने जाएंगे। इसी प्रकार सामुदायिक अधिकार विशेषकर सामुदायिक वन संसाधन अधिकार ग्राम सभाओं को दिए जाने का प्रावधान है।

उल्लेखनीय है कि विभिन्न वन अधिकारों की मान्यता छत्तीसगढ़ सरकार की प्राथमिकताओं में से है। वन अधिकार पत्र वितरण में छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी राज्यों में से एक है। राज्य में 31 दिसंबर 2021 तक कुल 4 लाख 45 हजार 833 व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र पात्र हितग्राहियों को वितरित किए जा चुके हैं। जिसके अंतर्गत कुल 3 लाख 63 हजार 593 हेक्टेयर भूमि वितरित की गई है। अब तक 45 हजार 305 सामुदायिक वन अधिकार पत्र वितरित किए गए हैं। इसके अंतर्गत कुल 19 लाख 35 हजार 643 हेक्टेयर भूमि वितरित की गई है। इसके साथ ही सामुदायिक वन संसाधन के 3 हजार 650 वन अधिकार पत्र भी ग्राम सभाओं को वितरित किए जा चुके हैं। इसी प्रकार शहरी क्षेत्रों में स्थित वन भूमि पर वन अधिकार पत्र भी दिए जा रहे हैं।

इस अवसर पर जिलों से मास्टर ट्रेनर्स के रूप में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आदिम जाति विकास विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ राजस्व विभाग एवं वन विभाग से मास्टर ट्रेनर्स के रूप में सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, संयुक्त कलेक्टर, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार, सहायक वन संरक्षक, रेंजर, मंडल संयोजक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राजीव युवा मितान क्लब के गठन से गांव के युवा रचनात्मक गतिविधियों की ओर हो रहे प्रेरित

सामाजिक जीवन स्तर को ऊंचा उठाने की दिशा में सरकार का महत्वपूर्ण कदम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित डीडीयू आडिटोरियम में विकासपरक राज्यस्तरीय छायाचित्र प्रदर्शनी का आज सरगुजा जिले के पंचायत प्रतिनिधियों ने अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ी परंपराओं और संस्कृति से नई पीढ़ी को जोड़ रही है। राज्य में राजीव युवा मितान क्लब गठित किया जा रहा है। इससे गांव के युवा रचनात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित हो रहे हैं। सामाजिक जीवन स्तर को ऊंचा उठाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा किया जा रहा प्रयास विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

जिले के मैनपाट ब्लॉक के खडगांव, चौनपुर, सलाईनगर, चिड़ापारा और डागबूड़ा और सीतापुर विकासखंड के ग्राम बेलजोरा, भौरादाढ़,आरा, ढोढागांव, पेटला,बिठवा और हरदीसांड के पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रदर्शनी के माध्यम से छत्तीसगढ़ सरकार की जनहितैषी योजनाओं एवं कार्यक्रमों से लोगों के जीवन में आए बदलाव और विकास कार्यों की उपलब्धियों का अवलोकन किया। प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सरकार की मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना प्रकृति की रक्षा की अनूठी योजना है जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति भी सुधरेगी। वृक्षारोपण में निजी क्षेत्र की भागीदारी से प्रदेश में हरियाली के साथ शुद्ध पर्यावरण मिलेगा। यह ग्रामीणों की आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बनेगा।

बच्चों के सम्पूर्ण विकास के लिए परिवार के सदस्यों और मैदानी अमले के लिए गाइडेंस की पहल

महिला एवं बाल विकास मंत्री ने किया 'परवरिश के चैम्पियन' और 'नवांकुर' कार्यक्रम का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बाल्यावस्था में देखभाल और शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल की गई है। नई शिक्षा नीति में भी बाल्यावस्था पर विशेष ध्यान देने की सिफारिश की गई है। इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया ने रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में 'परवरिश के चैम्पियन' और 'नवांकुर' कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बच्चों के समावेशी विकास के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा यूनिसेफ के सहयोग से 'परवरिश के चैम्पियन' और 'नवांकुर' कार्यक्रम को तैयार किया है। इसके माध्यम से बचपन के प्रारंभिक वर्षो को विशेष रूप से भाषा और संज्ञानात्मक विकास को मजबूत बनाने की दिशा में लक्षित किया जाएगा।

'परवरिश के चैम्पियन' कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चे के पालन-पोषण में माता-पिता की उत्तरदायी भूमिका (रिस्पॉन्सिव पेरेंटिंग) शुरू करना है। इसके माध्यम से परिवार को बच्चों के भावनात्मक और शारीरिक जरूरतों के बारे में जानकारी देते हुए, उनके लिए उचित प्रतिक्रिया को बताया जाएगा। इसमें स्वास्थ्य, पोषण, प्रारंभिक शिक्षा, सुरक्षा और उत्तरदायी देखभाल शामिल है। कार्यक्रम के तहत 'परवरिश के चैम्पियन किट' प्रदान की जाएगी। इसमें वर्णमाला

चार्ट, गतिविधि कैलेंडर, रिस्पॉन्सिव पेरेंटिंग के वीडियो, पोस्टर होंगे, जो पालकों को 6 वर्ष तक के बच्चों से व्यवहार और सरल तरीके से बच्चे के विकास के विभिन्न बिन्दुओं पर जानकारी देंगे।

'नवांकुर' कार्यक्रम प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) पर एक ई-लर्निंग पाठ्यक्रम है। इसका उद्देश्य बच्चों की देखभाल और शिक्षा के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और पर्यवेक्षकों का क्षमता संवर्धन करना है। इस 8 घण्टे के ट्रेनिंग पाठ्यक्रम में 14 माडयूल हैं। हर माडयूल स्वमूल्यांकन पर आधारित है। इसमें विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा, देखभाल और आंगनबाड़ियों में उनके समावेशन पर भी फोकस किया गया है। ट्रेनिंग के बाद भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेट भी प्रदान किया जाएगा।

श्रीमती भेंड़िया ने कहा कि छोटे बच्चे अपने परिवार के सदस्यों के साथ ज्यादा समय बिताते हैं, इसलिए परिवार की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। बच्चों का सही ढंग से देख-रेख और पोषण हो तो बच्चा सशक्त बनेगा। प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के लिए परिवार आधारित कार्यक्रम 'परवरिश के चैम्पियन' तथा नवीन तकनीक से मैदानी अमले के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण 'नवांकुर' के माध्यम से परिवार को बच्चों की आवश्यकताओं और विकास के संबंध में बेहतर तरीके से समझाया जा सकेगा।

यूनिसेफके स्टेट हेड जॉब जकारिया ने बताया कि बच्चों का सर्वाधिक विकास 2 साल तक की उम्र तक होता है। इस समय बच्चे अधिकांश समय अपने परिवार के बीच बिताते हैं। माता-पिता के साथ-साथ परिवार को सही गाइडेंस देकर बच्चों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास को सही दिशा दी जा सकती है। इसके लिए 'परवरिश के चैम्पियन' कार्यक्रम तैयार किया गया है। इसमें खेल खेल में बच्चों का विकास कैसे करें यह बताया जाएगा। इसमे 6 वर्ष से कम उम्र के 25 लाख बच्चे शामिल होंगे। इन बच्चों के माध्यम से उनके पालकों तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा। 'नवांकुर' आठ घण्टे का ई-लर्निंग प्रोग्राम है, जिसके तहत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सीडीपीओ को ट्रेनिंग दी जाएगी। अब तक 51 हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में से 35 हजार कार्यकर्ता का पाठ्यक्रम के लिए पंजीयन हो चुका है। प्रयास है कि आगामी 6 माह में सभी कार्यकर्ता और बाल विकास परियोजना अधिकारी प्रशिक्षित हो जाएं। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक दिव्या मिश्रा, विभागीय और यूनिसेफ के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कोविड संक्रमण से बचाव और रोकथाम के लिए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश

मास्क और फिजिकल डिस्टेंसिंग रखने की सलाह

कोविड टीकाकरण की प्रिकॉशन डोज के लिए अतिरिक्त केंद्र बढ़ाने कहा गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने विगत कुछ दिनों से रायपुर जिले में कोविड-19 संक्रमण की धनात्मकता दर में वृद्धि दर्ज को देखते हुए संक्रमण के प्रसार से बचाव और रोकथाम के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विभागीय संचालक ने रायपुर जिले के कलेक्टर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक को पत्र लिखकर आवश्यक कार्यवाही करने कहा है। पत्र में कहा गया है कि कोविड-19 संक्रमण से बचाव हेतु मास्क के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाए, विशेषकर भीड-भाड़ वाले स्थानों, सार्वजनिक सभागृह, कम हवादार वाले स्थानों इत्यादि में मास्क पहनने हेतु विशेष रूप से प्रेरित किया जाए। सभी पात्र हितग्राहियों को कोविड-19 टीकाकरण की प्रिकॉशन डोज प्रदान किये जाने हेतु विशेष प्रयास करने भी कहा गया है। इसके लिए स्थानीय स्तर पर आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कोविड टीकाकरण केन्द्र स्थापित करने कहा गया है, जिससे हितग्राहियों को टीकाकरण सेवाएं सुलभता से उपलब्ध हो सके।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने कहा है कि अस्पतालों के ओपीडी एवं आईपीडी में आने वाले इन्फ्लूएंजा जैसे बीमारी से ग्रसित और श्वसन के गंभीर बीमारी के प्रकरणों की अनिवार्य रूप से कोविड-19 हेतु जांच की जाए। कोविड के अन्य लक्षणों जैसे-डायरिया इत्यादि के साथ भर्ती होने वाले मरीजों की भी कोविड-19 जांच अवश्य की जाए। इसके साथ ही कोविड-19 संक्रमण से बचाव हेतु आम जनता को परस्पर भौतिक दूरी (Physical Distancing) और भीड़-भाड़ वाले स्थानों से यथा संभव बचाव के लिए विशेष प्रयास करने कहा गया है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

स्ट्रांग फीलिंग क्या प्यार नहीं?

कुछ लोगों ने यह शब्द शायद पहली बार सुना होगा लेकिन सब की जिन्दगी में यह शब्द केवल एक शब्द न हो कर वास्तविकता रखता है. लव, प्यार, मोहब्बत, चाहत और दीवानापन जैसे शब्दों और इन के एकसमान अर्थ से तो हम सभी भली भांति परिचित हैं, पर जो आप नहीं जानते वह है 'इन्फैचुएशन'. इन्फैचुएशन का अर्थ वैसे तो सम्मोह, मुग्धता और आसक्ति है, लेकिन इस का सही मतलब इसके शाब्दिक अर्थ से कहीं ज्यादा है. उदाहरण के तौर पर मान लीजिए आप किसी लड़के से दो दिन पहले ही मिले हैं और आप को लगता है कि आप उस से पहली ही नजर में प्यार करने लगे हैं. उस लड़के के उठने बैठने, बोलचाल और खूबसूरती से आप इतना ज्यादा अट्रैक्ट हो जाते हैं कि उस के बिना जीना ही दुश्वार लगने लगता है. लेकिन उस लड़के से बात करने और उसे सही तरह से जानने के बाद जब यह लगने लगे कि 'प्यार' खत्म हो चुका है, तो इस का मतलब है कि आप को उस लड़के से कभी प्यार था ही नहीं. यह फीलिंग जो आप को प्यार जैसी लगती है पर असल में होती नही है, इसे इन्फैचुएशन कहा जाता है.

समय के साथ फीलिंग्स बदलना

अगर आप का पार्टनर आप को टाइम नहीं दे रहा है और आप से सुबह शाम नहीं मिल पा रहा है और इस कारण आप को लगने लगा है कि शायद आपका प्यार अब खत्म होने लगा है, तो यकीन मानिए आपको कभी उस व्यक्ति से प्यार था ही नहीं. प्यार इतनी जल्दी या कहें कुछ देर की दूरी से खत्म नहीं होता. इन्फैचुएशन में अक्सर यही होता है कि व्यक्ति को अपने पार्टनर से थोड़ी सी देर की दूरी भी खलने लगती है जबकि प्यार होने पर दूरियां इस प्यार को मजबूत करती हैं. मजबूत ऐसे कि आप जिस से प्यार करते हैं उस से मिलने के लिए बैचेन होते हैं लेकिन आपको पता होता है व्यक्ति के लिए उस के काम करना भी इम्पोर्टेन्ट है और इस बात से आपका प्यार एफेक्ट नहीं होता. आप उस व्यक्ति को समझते हैं,आप का प्यार ऐसे खत्म या कम नहीं होता.

इन्फैचुएशन को ऐसे समझें

इसे और बेहतर तरीके से समझने के लिए 'चोखरबाली' का उदाहरण लेते हैं. यदि आपने रविन्द्रनाथ टैगोर की किताब चोखरबाली पढ़ी है या इसी नाम से बनी फिल्म देखी है तो आप यह समझ चुके होंगे कि मैं इस कहानी का उदहारण क्यों ले रही हूं. इस कहानी में चार किरदार हैं, आशालता, बिनोदिनी, महेंद्र और बिहारी. महेंद्र और बिहारी भाई जैसे दो दोस्त हैं. जब उन दोनों को शादी के लिए बिनोदिनी के घर से प्रस्ताव आता है तो वे खुद को शादी के लिए तैयार न बताते हुए, बिनोदिनी को बिना देखे ही रिश्ते के लिए मना कर देते हैं. कुछ साल बाद जब बिहारी के लिए वे आशा को देखने जाते हैं तो वहां महेंद्र को पहली नजर में ही आशा की खूबसूरती मोहित कर लेती है और वह आशा से शादी करने की इच्छा जताता है. आशा को जाने और समझे बगैर ही महेंद्र उस से शादी कर लेता है. आशा और महेंद्र घंटो साथ बिताते, बातें करते और अपने कमरे में ही रहते हैं. वहीं बिनोदिनी की जिस लड़के से शादी हुई थी वह शादी के कुछ दिनों में ही मर गया. महेंद्र की मां बिनोदिनी से प्रभावित थीं. जब वे बिनोदिनी को एक आश्रम में मिलती हैं तो उन की सेवा कर बिनोदिनी उन का दिल जीत लेती है और वे उसे अपने साथ ले आती हैं.

महेंद्र बिनोदिनी को जानने और समझने के बाद उसे चाहने लगता है. बिनोदिनी भी महेंद्र को पसंद करने लगती है. वे दोनों आशा के बारे में न सोचते हुए काफी करीब भी आ जाते हैं. कुछ दिन सब इसी तरह चलता है और फिर बिनोदिनी का प्यार महेन्द्र के लिए खत्म हो कर बिहारी पर शिफ्ट हो जाता है. अब महेंद्र पूरी तरह बिनोदिनी के प्यार में पागल अपना और आशा का रिश्ता तोड़ देने तक को तैयार रहता है. उधर, बिनोदिनी और बिहारी एकदूसरे के होना चाहते हैं.

इस कहानी में दो व्यक्तियों ने अपनी इन्फैचुएशन को प्यार समझने की गलती की. यदि, देखा जाए तो महेंद्र को आशा से पहली नजर में हुआ प्यार, प्यार न हो कर इन्फैचुएशन थी. यह इन्फैचुएशन ही थी जो महेंद्र को आशा से जोड़े हुए थी. दूसरी, बिनोदिनी थी जिसने महेंद्र के लिए अपनी इन्फैचुएशन को प्यार का नाम दिया और जाने अनजाने उसकी गृहस्थी तोड़ दी. बिनोदिनी की इन्फैचुएशन उसे मिलने वाले महेंद्र के हद से ज्यादा अटेंशन से खत्म हो गई.

इन्फैचुएशन और प्यार में अंतर

इन्फैचुएशन एक बहुत ही स्ट्रोंग फीलिंग है जिसमे व्यक्ति को लगता है कि वह प्यार में है जबकि ऐसा होता नहीं है. किसी के बारे में हर पल सोचते रहने, भूख प्यास मिटने, किसी का इंतजार करते रहने और बारबार उस से बातें करने के लिए मचलने को लोग प्यार समझ लेते हैं जबकि यह सब प्यार न हो कर इन्फैचुएशन है.

सेक्सुअल और मेंटल डिजायर्स

जहां एक तरफइन्फैचुएशन में सेक्सुअल डिजायर अपने चरम पर होती है वहीं प्यार में सेक्सुअल डिजायर बाकि सभी फीलिंग्स के बीच का ही एक हिस्सा होती है. इन्फैचुएशन में व्यक्ति अपने पार्टनर या जिससे भी उसे इन्फैचुएशन है, उसको शारीरिक रूप से पाने के लिए मचलता है, वह हमेशा उस के आसपास रहना चाहता है, उसे छूना चाहता है, बाहों में भरना चाहता है. जबकि, प्यार अलग अलग इमोशन्स और फीलिंग्स का समावेश होता है. जब व्यक्ति को किसी से प्यार होता है तो वह उस की फिजिकल से ज्यादा इमोशनल और मेंटल प्रजेंस चाहता है.

गलतियां और कमियां

इन्फैचुएशन में व्यक्ति जिस से इन्फैचुएटेड होता है उसे उस की बाहरी खूबसूरती और अपीयरेंस के लिए चाहता है. उसे लगता है कि मुझे इस से प्यार है जिस के कारण ही मुझे इस की गलतियां नहीं दिखतीं या इस व्यक्ति में कोई कमी है ही नहीं. प्यार में ऐसा नहीं होता. प्यार में व्यक्ति सामने वाले व्यक्ति की गलतियां, कमियां और कमजोरियां देखता है, उन्हें एक्सेप्ट करता है और फिर उस व्यक्ति को चाहता है. इसी चाहत को प्यार कहा जाता है जिस में व्यक्ति की आंखो में वो पट्टी नहीं बंधी होती जिस से उसे दूसरे व्यक्ति के अवगुण दिखाई ही न दें.

प्रोसेस को समझना

प्यार एक प्रोसेस है, यह अचानक से नहीं होता. आप एक व्यक्ति से आज मिले हैं, आपको वह हद से ज्यादा अच्छा लग जाता है लेकिन आप इसे प्यार का नाम नहीं दे देते. धीरे धीरे आपकी फीलिंग्स उस व्यक्ति के लिए बढ़ने लगती हैं, आप उस की बुराई भी जान जाते हैं और अच्छाई भी, उस की पसंद भी और नापसंद भी. आप की चाहत रुकने का नाम ही नहीं लेती और यह चाहत एक दिन या एक पल में नहीं हो जाती, यह एक प्रोसेस है जो आपके मन में काफी समय से चल रहा था. ये चाहत प्यार है.

3 टिप्सः पीरियड्स के दौरान ऐसे रखें अपनी त्वचा का ख्याल

महिलाओं के शरीर में पीरियड्स के दौरान कई तरह के हार्मोनल बदलाव होते हैं. इसका असर उनके त्वचा पर भी पड़ता है. महिलाओं में त्वचा से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती है. ऐसे में आप इन दिनों में अपनी त्वचा का खासतौर पर ध्यान रखें. तो आइए जानते हैं, कुछ खास टिप्स जिसे आप अपनाकर पीरियड्स में अपनी त्वचा का ख्याल रख सकते हैं.

क्लीनअप

इस दौरान चेहरे को साफ रखना बेहद जरूरी है. क्लीनअप इसमें आपकी मदद करेंगे. इससे न सिर्फ त्वचा साफ होगी बल्कि इसे जरूरत के मुताबिक मसाज, मौइस्चर मिलने के साथ ही आपका स्ट्रेस लेवल भी कम होगा जो पिंपल को रोकने में मदद करेगा.

मेकअप से रहें दूर

मेकअप पोर्स को ब्लौक करता है, ताकि आपके फेस को स्मूद लुक मिले, लेकिन पीरियड्स के दिनों में यह अच्छा नहीं है. कोशिश करें कि मेकअप से दूरी बना सकें या ऐसे फाउंडेशन या बीबी, सीसी क्रीम का इस्तेमाल करें जो पोर्स ब्लौक नहीं करती.

पिंपल

पीरियड्स के दिनों में पोर्स बड़े हो जाते हैं जिससे स्किन ज्यादा ऑयल प्रड्यूस करती है. वहीं कुछ मामलों में स्किन रूखी हो जाती है. इससे निपटने के लिए दिन में कम से कम दो बार गुनगुने पानी से फेस धोएं. ऐसे फेसवाश का इस्तेमाल करें जो स्किन के लिए माइल्ड हो. इसके बाद चेहरे पर टोनर लगाएं और फिर मौइस्चराइज करें.

टूटे हुए रिश्ते में ऐसे जगाएं प्यार

दुनिया का सबसे खूबसूरत एहसास प्यार है. इस खूबसूरत एहसास से कोई भी व्यक्ती वंचित नहीं है. जिससे आप प्यार करते हैं उससे जुड़ी सारी चीज आपको अच्छी लगती है. और जब आप उस इंसान के साथ होते हैं तो जिंदगी और भी ज्यादा हसीन लगने लगती है. लेकिन ये जरूरी नहीं कि आपका प्यार हमेशा कायम रहे, रिश्ते में मनमुटाव होने के कारण आपके बीच का प्यार कम हो जाता है या रिश्ते टूट जाते है. ऐसे में आपको कुछ टिप्स बताते हैं, जिससे आप अपने टूटे हुए रिश्ते में फिर से प्यार को जगा सकते हैं.

कुछ नया करने की प्लानिंग करें

कुछ समय के लिए किसी के साथ रहने से आप इस हद तक ऊब सकते हैं कि आपके और आपके पार्टनर के बीच रूखापन आ सकता है. ऐसा कुछ करें, जिससे चीजों में बदलाव आए. एक्सपर्ट के अनुसार वे दंपत्ति, जो साथ मिलकर डांसिंग या हाइकिंग जैसे नई गतिविधियों के साथ वक्त बिताते हैं वह उन दंपत्ति की तुलना में ज्यादा खुश रहते हैं.

साथ मिलकर हंसने का प्रयास करें

जैसा कि आप जानते हैं कि ऐसा जबरन नहीं किया जा सकता है लेकिन ऐसी चीजों को करने का प्रयास करें, जिससे आप दोनों को खुशी मिलें. एक्सपर्ट के अनुसार हंसना रिश्ते की गुणवत्ता और पार्टनर के बीच करीबी का संकेत देता है.

एक दूसरे की बातों को समझने का प्रयास करें

रिश्ते अक्सर आपके और आपके पार्टनर के बीच सहमति व आपसी समझ पर टिके होते हैं. अक्सर छोटी-छोटी बातों पर पति-पत्नी के बीच झगड़े होते हैं इसलिए अपने पार्टनर की बातों को समझने का प्रयास कीजिए की वह क्या कहना चाहते हैं. जब एक दूसरे की बातों को समझने लगेंगे तो झगड़े खुद ब खुद कम हो जाएंगे.

लंबे समय तक फोन पर चैटिंग टैक्स्ट, नेक पेन का कारण

पेशे से बैंकर रश्मि को लगातार गरदन में दर्द रहने लगा था. दरअसल, 6 महीने पहले रश्मि को गरदन में अकड़न महसूस हुई और इस के बाद से सिरदर्द भी रहने लगा. जब दर्द ज्यादा बढ़ गया तो रश्मि ने फिजीशियन से सलाह ली. तब उसे पता चला कि वह टैक्स्ट नैक नामक बीमारी से पीड़ित है, जो लगातार मोबाइल पर मैसेज करने की वजह से होती है.

इस बारे में नोएडा के फोर्टीस अस्पताल के डा. राहुल गुप्ता का कहना है, ''आजकल किशोर अधिक समय तक मोबाइल पर मैसेज और चैट करने में बिताते हैं. वे इस बात से अनजान रहते हैं कि इस से उन की सेहत पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है. अधिक समय तक सिर झुका कर मोबाइल पर बात करने या चैट करने से टैक्स्ट नैक होने का खतरा बढ़ जाता है. लगातार सिर झुकाने से रीढ़ की हड्डी, कर्व और बोनी खंड में बदलाव से मुद्रा में बदलाव, मांसपेशियों में अकड़न और दर्द महसूस होता है.

जानकारी के अनुसार मोबाइल फोन से बातचीत की निर्भरता की वजह से मैसेज करने में तेजी से वृद्धि हुई है. मोबाइल फोन के अलावा टैबलेट, आईपैड जैसे उपकरणों का इस्तेमाल भी 'टैक्स्ट नैक' सिंड्रोम के लिए जिम्मेदार है.

इस में सिरदर्द, पीठ के ऊपरी भाग, कंधे व गरदन में दर्द के साथ रीढ़ की हड्डी में वक्रता आ जाती है और

अगर टैक्स्ट नैक को बिना इलाज के छोड़ दिया जाए तो इस से रीढ़ की हड्डी में अपक्षयीय समस्याएं जैसे डिस्क कंप्रेशन और डिस्क प्रोलेप्स की समस्या हो सकती है.

शुरुआती स्टेज में तो फिजियोथेरैपी या दवाओं से इसे ठीक किया जा सकता है, लेकिन गंभीर मामलों में सर्जरी जैसे डिस्क रिप्लेसमैंट की आवश्यकता पड़ती है.

पारंपरिक सर्जरियों में विकृत डिस्क के बीच 2 सर्विकल वर्टिब्रे को हटा कर उस में वर्टिब्रे को मजबूती देने के लिए ठोस हड्डी की तरह बोन ग्राफ्ट लगाया जाता है. विकृत डिस्क को पूरी तरह से हटा कर ही दर्द को दूर किया जाता है, क्योंकि भारी डिस्क रीढ़ की तंत्रिकाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं जिस से गरदन और बांह में दर्द होता है. हालांकि फ्यूजन प्रक्रिया में रीढ़ की गति और लचीलापन बाधा बनते हैं.कृत्रिम सर्विकल डिस्क रिप्लेसमैंट थेरैपी में पुरानी व विकृत डिस्क को प्रोस्थैटिक उपकरण (कृत्रिम डिस्क) को विशेष तरीके से डिजाइन किया जाता है जो वर्टिब्रे भाग को गतिशीलता प्रदान करता है. मोबाइल धातु को डिस्क वर्टिब्रे के बीच में स्थापित किया जाता है, जिस से गतिशीलता मिलती है जिस में यह प्राकृतिक तरीके से झुकने, बढ़ने, एक तरफ झुकने, घूमने और सरेखण जैसे कि ऊंचाई और वक्रता मिलती है.

'धाकड़' के फ्लॉप होने के बाद कंगना पहुंची अपने होमटाउन, एक्ट्रेस ने किया फैमिली के साथ टाइम स्पेंड

कंगना रनोट 'धाकड़' के फ्लॉप होने के बाद फैमिली के साथ टाइम स्पेंड करने अपने होमटाउन गई हुई हैं। एक्ट्रेस फिलहाल मनाली में अपने परिवार के साथ पिकनिक एंजॉय कर रही हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने फेवरेट स्पॉट की फोटोज शेयर की हैं।

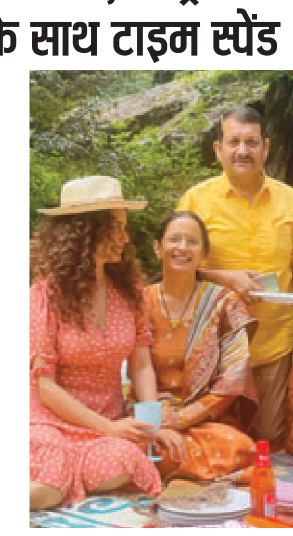

कंगना ने शेयर की पिकनिक की फोटोज

एक्ट्रेस ने पिकनिक की फोटोज शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, मेरी फेवरेट जगह पर मेरी फैमिली के साथ बहुत जरूरी ब्रेक डे... और मौसम भी काफी अच्छा था। यह एक बेहद खूबसूरत दिन है।

कंगना रनोट ने होमटाउन में बनाया नया आशियाना

कंगना ने हाल ही में अपने होमटाउन हिमाचल प्रदेश में एक नया घर खरीदा है। गुरुवार को उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने नए घर की कुछ फोटोज शेयर की थीं। पहाड़ो के बीच अपने लग्जीरियस घर की इनसाइड पिक्चर्स शेयर करते हुए, उन्होंने इसे पहाड़ी स्टाइल में रिवर स्टोन से बना घर बताया है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Pankaj Mobile
Tata Play Connection Available
All Accessories & General Electricals Items
All Types Recharge & DTH, FastTag Recharge
Pankaj Umbre-
Mo.- 9993240894, 7987806710
Shop No.- 4, Jugnu Dera Complex, Adarsh Nagar, Potia Road, Durg (C.G.)

SHRI SAI
COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS
XI XII B.COM
CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

YOGESH COMPUTER
Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

Paul Sir
BANK P.O.
&
CLERK,
MBA,
RLY.,
SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER,
Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

संसदीय सचिव रेखचंद जैन के प्रयासों से ग्राम धनियालूर में कोटवार की नियुक्ति हुई

जगदलपुर। विधायक जगदलपुर एवं संसदीय सचिव नगरीय प्रशासन एवं श्रम विभाग रेखचंद जैन के प्रयासों से जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत धनियालूर में कोटवार की नियुक्ति की गई जिसे आज विधायक जगदलपुर एवं संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने नियुक्ति पत्र प्रदान किया इस अवसर पर विधायक जगदलपुर एवं संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने कहा की ग्रामीणों की कोटवार नियुक्ति की बहुप्रतीक्षित मांग थी जिसे आज पूरा कर दिया गया है विदित हो की धनियालूर में कोटवार नहीं होने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ता था और ग्रामीण लंबे समय से कोटवार नियुक्ति की मांग कर रहे थे जिसपर संवेदनशील विधायक जगदलपुर एवं संसदीय सचिव रेखचंद जैन की अनुशंसा पर कोटवार की नियुक्ति की गई है। गौरनाथ नाग, हेमू उपाध्याय मनोनीत पार्षद सुरेन्द्र झा, विधि विभाग के जिलाध्यक्ष अवधेश झा तहसीलदार पुष्पराज पात्रा समेत बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

हाट बाजार क्लिनिक में लोगों को मिल रही इलाज की सुविधा

कांकेर। राज्य शासन के निर्देशानुसार गांव-गांव के बाजार में हाट बाजार क्लिनिक योजना को सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। जिससे जिले के समस्त हितग्राहियों को इस योजना का लाभ मिल सके, उपस्वास्थ्य केन्द्र कोदाभाट से दसपुर पहुंची सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी श्रीमती इंद्राणी नायर ने जानकारी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक योजना का मुख्य उद्देश्य जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधा पहुचाना तथा बीपी-सुगर जांच कर अन्य बिमारियों की नि:शुल्क दवाई देना है। वही बेहतर उपचार की जरूरत पड़ने पर उच्च चिकित्सा संस्थानों या अस्पतालों में रिफर किया जाता है। ग्राम दसपुर के साप्ताहिक बाजार में बीपी, सुगर जांच कर 58 मरीजों को नि:शुल्क दवाईयों का वितरण किया गया। ग्राम बेवरती में भी शुक्रवार के साप्ताहिक बाजार में लगभग 140 मरीजों का बीपी, सुगर जांच कर स्वास्थ्य विभाग के श्रीमती चेमन कृषान व प्रियंका कौशल द्वारा नि:शुल्क दवाईयों का वितरण कर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी निरंतर दिया जा रहा है।

'जगार-2022': पंडरी हाट बाजार में 19 जून तक 10 दिवसीय सजा रहेगा बाजार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के छत्तीसगढ़ पंडरी हाट बाजार परिसर में आयोजित ''जगार-2022'' का शुभारंभ आज हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष चंदन कश्यप ने किया। आज से 19 जून तक 10 दिवसीय 'जगार-2022' प्रदर्शनी मेला लोगों के आकर्षण का केन्द्र रहेगा। इस प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ के अतिरिक्त 12 राज्यों के हस्तशिल्पकारों को अपनी उत्पाद का प्रदर्शन सह विक्रय करने का अवसर मिलेगा।

इस अवसर पर बोर्ड के अध्यक्ष चंदन कश्यप ने नवीन शबरी एम्पोरियम एकता मॉल केवड़िया गुजरात का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस मौके पर अध्यक्ष कश्यप ने परिसर में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन करते हुए कलाकारों को बधाई दी और उनका उत्साहवर्धन किया। साथ ही उन्होंने इस दौरान हाट बाजार परिसर में ही बिलासा एम्पोरियम का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर माटीकला बोर्ड के अध्यक्ष श्री बालम चक्रधारी वर्चुअल रूप से जुड़े। कार्यक्रम में संचालक ग्रामोद्योग श्री सुधाकर खलखो सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कश्यप ने जगार मेला का शुभारंभ करते हुए कहा कि कोरोना संक्रमण काल के कारण से यह जगार मेला दो वर्षों बाद लगा है। जगार मेला से शिल्पकारों, बुनकरों और कलाकरों को अपनी कला के बेहतर प्रदर्शन का अवसर मिला है। यह उनके आर्थिक उन्नति में भी मददगार साबित होगा। कोरोना काल के बाद छत्तीसगढ़ में दो वर्ष के अंतराल के बाद हस्तशिल्प कला को समर्पित ''जगार'' का आयोजन हो रहा है। उन्होंने कहा कि 20 दिसम्बर से 5 जनवरी तक प्रतिवर्ष जगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इस जगार मेले में छत्तीसगढ़ के साथ ही देश के 12 अन्य राज्यों से हस्त शिल्पकार अपने उत्पादों के साथ पहुंचे हैं। छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड द्वारा आयोजित 'जगार-2022' का शुभारंभ शुक्रवार 10 जून से हो गया। इस बार हस्तशिल्प प्रेमियों के लिए कुल 140 स्टॉल लगाए गए हैं, जहां हस्तशिल्प के विभिन्न उत्पादों के साथ ही हाथकरघा, खादी ग्रामोद्योग, माटी कला के अनेक आकर्षक उत्पादों की प्रदर्शनी बिक्री के लिए लगाई गई है। इन स्टॉलों में से छत्तीसगढ़ के लिए कुल 80 स्टॉल आवंटित किए गए हैं। वहीं मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और जम्मू एवं कश्मीर के शिल्पकार 60 स्टॉलों में अपने उत्पादों को प्रदर्शित कर रहे हैं। जगार मेला-सह प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ राज्य के सुप्रसिद्ध हस्तशिल्प बेलमेटल शिल्प, लौह शिल्प, काष्ठ शिल्प, गोदना शिल्प, तुमा शिल्प, टेराकोटा शिल्प, छिंद कांसा, हाथकरघा वस्त्रों में कोसे की साड़िया, दुपट्टा, सलवार सूट, ड्रेस मटेरियल, बेडशीट, चादरें एवं विभिन्न प्रकार के रेडीमेंट वस्त्र का प्रदर्शन सह-विक्रय किया जाएगा।

बीआईटी दुर्ग में पांच यूपीएससी टॉपर ने अनुभव साझा किए

यूपीएससी में चयन के लिए जगह, भाषा एवं कोचिंग के साथ ही प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थाओं की भी बाधा नहीं

बताया सोशल मीडिया से दूर रहे, मौलिक मटेरियल से की पढ़ाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। यूपीएससी में चयन के लिए जगह की बाधा नहीं होती। रायपुर से पढ़कर भी सलेक्शन होता है। बिना कोचिंग के भी सलेक्शन होता है। हिंदी मीडियम से भी सलेक्शन होता है और इसके लिए जरूरी नहीं कि सबसे प्रतिष्ठित संस्थाओं से आपने पढ़ाई की हो। दुर्ग में पांच टॉपर्स जुटे और सब अलग-अलग एजुकेशन फील्ड थे, सबने कहा कि अपने पसंद का सबजेक्ट चुनो और खूब पढ़ो।

रायपुर से टॉपर श्रद्धा शुक्ला ने कहा कि उन्होंने कोचिंग नहीं ली और मौलिक मटेरियल पढ़ा। रायपुर से ही पढ़ाई भी की। पूजा ने बताया कि वो मगरलोड से हैं घर में इंटरनेट का कवरेज ही नहीं। इंटरनेट चाहिए तो ऊपर छत पर जाना पड़ता है।

फिर भी चयन में इसके लिए कोई बाधा नहीं आई। पूजा ने बताया कि उन्हें लगा कि सोशल मीडिया तो सबसे ज्यादा बाधक है। पढ़ाई के लिए और तीन साल तक सोशल मीडिया से दूर रहीं। उन्होंने कहा कि पहले दो अटेम्प खराब हुए, लेकिन हिम्मत नहीं हारी। निगेटिव लोगों से दूर रही। पाजिटिविटी आपके अंदर है इसके लिए मसूरी जाकर मोटिवेशन नहीं लेना पड़ता, ऐसा मोटिवेशन टिकता नहीं है। अभिषेक अग्रवाल ने कहा कि कोई जॉब के साथ भी पढ़ाई कर सकता है। मैंने भी जॉब में रहते हुए पढ़ाई की इसलिए समय मैनेज करना पड़ा। अक्षय पिल्ले ने कहा कि इंजीनियरिंग के सब्जेक्ट लेकर भी चयनित हुआ जा सकता है। कोई भी विषय हो, उसमें आपकी पकड़ मायने रखती है। दिव्यांजलि ने कहा कि यूपीएससी की तैयारी मैराथन दौड़ के जैसी है। इसमें सही रणनीति रखना बहुत जरूरी है।

कार्यशाला में कलेक्टर दुर्ग डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने भी अपने अनुभव साझा किये। उन्होंने बताया कि जिस तरह साढ़े तीन घंटे आप लोग लगातार धैर्य से आज टॉपर्स को सुन रहे हैं। कुछ वर्षों पहले मैंने भी ऐसे ही एक कार्यशाला अटेंड की थी, जिसमें खड़े होकर साढ़े तीन घंटे टापर्स को सुना था। जहां आपके इंटेलीजेंस की सीमा होती है वहां से हार्डवर्क काम करना शुरू कर देता है।

पुलिस अधीक्षक दुर्ग डॉ. अभिषेक पल्लव ने भी अपने अनुभव साझा किये। उन्होंने कहा कि हार्ड वर्क का कोई विकल्प नहीं है। स्मार्ट वर्क की शुरूआत भी हार्ड वर्क से हुए अनुभवों से होती है। कोई यूपीएससी की तैयारी करें तो उसे पूरी तौर पर समर्पित होकर तैयारी करनी होगी। जब तक पूरे संकल्प से अपनी शक्ति इसमें झोंक नहीं देंगे, तब तक सफलता नहीं मिलेगी, लेकिन सही रणनीति से यदि कड़ी मेहनत की जाए तो सफलता तय है।

कोयाबेकुर में मंत्री कवासी लखमा ने देवगुड़ी सहित विभिन्न निर्माण कार्यों का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। सुकमा ब्लॉक के ग्राम पंचायत कोयाबेकुर में प्रदेश के उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने देवगुड़ी, रंगमंच और पुलिया निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। इसके साथ ही पोंगा भेज्जी समिति अंतर्गत कोयाबेकुर फड़ के तेंदूपत्ता संग्राहकों को उनका पारिश्रमिक राशि का नगद वितरण किया। इस दौरान सुकमा जिला पंचायत उपाध्यक्ष बोड्डू राजा, सुकमा नगर पालिका अध्यक्ष राजू साहू, ग्राम पंचायत कोयाबेकुर सरपंच चौतू राम, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आज कोयाबेकुर के तेंदूपत्ता संग्राहको को मंत्री लखमा ने 16 लाख से अधिक राशि का नगर पारिश्रमिक वितरण किया। उन्होंने इस दौरान कहा कि तेंदूपत्ता संग्रहण से यहां के निवासियों को बहुत अच्छी आय मिलती है। चार-पांच दिन के काम करने से किसी को 25 हजार, किसी को 30 हजार तो किसी को 36 हजार रुपए का भुगतान प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि नगद भुगतान से सुदूर अंचल के निवासियों को बैंक के चक्कर लगाने से मुक्ति मिली है। उन्होंने तेंदूपत्ता संग्राहकों के नगद भुगतान में किसी भी प्रकार के गड़बड़ी होने पर कठोर कार्रवाई करने की बात कही।

उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने इस अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में सड़क, पुल पुलिया का प्राथमिक आवश्यकता है। जिसे शासन प्रशासन तत्परता से पूर्ण कर रही है। यहां पहले सड़क नहीं थी, साइकिल चलाना तक दुभर था। पर आज क्षेत्र में चमचमाती डामर सड़के है। क्षेत्र में हो रहे विकास से प्रशासन और सुरक्षाबलों के प्रति ग्रामीणों का विश्वास बढ़ा है।

मंत्री लखमा ने कहा कि बस्तर क्षेत्र सड़क, पुल पुलिया विकास नहीं होने के कारण ही शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य आयामों में प्रगति नहीं कर पाया। पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार के आने के पश्चात् सुकमा सहित पूरे बस्तर की छवि बदली है। साथ ही आदिवासी परंपरा और आस्था को मजबूती देने के लिए देवगुड़ी निर्माण कर रही है।

ग्राम पंचायत कोयाबेकुर के सरपंच चौतू राम कोरामी ने अपने सम्बोधन में पंचायत में देवगुड़ी सहित अन्य विकास कार्यों के लिए मंत्री कवासी लखमा का आभार व्यक्त किया। मंत्री कवासी लखमा ने अपने सुकमा प्रवास के दौरान गादीरास, डब्बारास, मुरतोडी, सोलुपारा, फुलबगड़ी, कोयाबेकुर आदि के ग्रामीणों से भेंट मुलाकात की।

कलेक्टर ने दिया ठोस आश्वासन, एक माह के भीतर धरना स्थल होगा स्थानांतरित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर नगर निगम के सभापति प्रमोद दुबे व रायपुर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष हरख मालू के नेतृत्व में धरना स्थल से प्रभावितों वार्ड के नागरिकों ने शुक्रवार को कलेक्टर सौरभ कुमार से मिला। इस दौरान रायपुर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष हरख मालू ने कलेक्टर को एक फिर बुढ़ापारा धरना स्थल के कारण हो रही परेशानियों से अवगत कराया। कलेक्टर सौरभ कुमार ने प्रतिनिधिमंडल को ठोस आश्वासन देते हुए कहा कि नया रायपुर में बनकर रहे धरना स्थल का निर्माण अंतिम चरणों में और एक माह के भीतर बुढ़ातालाब का धरना स्थल वहां स्थानांतरित हो जाएगा। इसके साथ ही बुढ़ातालाब धरना स्थल में प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए जो गेट का निर्माण किया जा रहा है वह अब नहीं होगा, इस पर शनिवार से तत्काल प्रभाव से रोक लगा दिया जाएगा।

मालू ने मुलाकात के दौरान कलेक्टर को बताया कि रायपुर सराफा एसोसिएशन की मांग पर बुढ़ातालाब धरना स्थल को नया रायपुर में स्थानांतरित कर दिया गया है लेकिन अभी भी बुढ़ातालाब धरना में 100 से से अधिक लोग यहां प्रदर्शन कर रहे हैं। इस कारण अब भी रोजाना सराफा बाजार, सिटी कोतवाली, सत्ती बाजार में जाम की स्थिति निर्मित हो रही हैं। बुढ़ातालाब धरना स्थल में 100 लोगों को प्रदर्शन करने की अनुमति दी गई है लेकिन इसके बाद भी यहां 100 से अधिक लोग धरना स्थल में बैठ रहे हैं, बुढ़ातालाब धरना स्थल को तत्काल प्रभाव से नया रायपुर स्थानांतरित किया जाएगा। क्योंकि इससे व्यावसायिक गतिविधियां तो प्रभावित हो ही रही है साथ ही आम नागरिकों को भी रोजाना काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा हैं। बुढ़ातालाब धरना स्थल को अगर नया रायपुर में स्थानांतरित किया जा सकता है तो उसे कहीं दूसरी जगह पर स्थानांतरित किया जाए जब वहां पूरी व्यवस्था न हो जाए।

जिलाधीश सौरभ कुमार ने रायपुर सराफा एसोसिएशन को ठोस आश्वासन देते हुए कहा कि नया रायपुर में बन रहे धरना स्थल में आवश्यक सुविधाओं का निर्माण कार्य चल रहा हैं और यह जल्द पूर्ण भी हो जाएगा। एक माह के भीतर बुढ़ातालाब से धरना नया रायपुर में स्थानांतरित हो जाएगा। इसके साथ ही कलेक्टर सौरभ कुमार ने कहा कि पिछले दिनों बुढ़ातालाब धरना में प्रदर्शन कारियो को रोकने के लिए जो गेट का निर्माण कार्य किया जा रहा था वह अब नहीं किया जाएगा, शनिवार से इस पर रोक लगा दी जाएगी। एक माह के भीतर आम नागरिकों के साथ ही व्यापारियों

मछली पालन से समूह हो रही आर्थिक रूप से सशक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिले में महिला समूह द्वारा आर्थिक सशक्तिकरण दिशा में स्वत: बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही है। समूह की महिलाएं कृषि कार्यो के अलावा अब स्वयं के व्यवसायिक कार्यो के संचालन में अधिक रूचि दिखा रही है। क्योंकि अधिकांश महिलाए घर के कार्यो के बाद इन कार्यो को आसानी से समय देकर अच्छी आय अर्जित कर परिवार के भरण-पोषण में सहयोग कर सकती है।

इसी का एक उदाहरण देखने को मिला विकासखंड तमनार के ग्राम पंचायत खुरूसलेंगा में जहां 12 समूह की त्रिशक्ति स्व-सहायता समूह द्वारा गांव के गणेश तालाब में 0.316 हेक्टेयर में मछली पालन कर अच्छी आय अर्जित कर रही है। समूह की श्रीमती काम्ती गुप्ता, श्रीमती निर्मला देहरी ने बताया कि मछली पालन के लिए उन्हें 2021-22 में 10 वर्षीय पट्टे पर आबंटित किया गया है।

जिसमें पिछले एक साल से समूह द्वारा मछली पालन का कार्य किया जा रहा है। समूह को मछली पालन विभाग उन्नत किस्म का रोहू, कतला एवं मृगल मछली बीज 50 प्रतिशत के अनुदान पर दिया गया है। समूह के द्वारा एक साल में करीब 10 हजार मछली बीज संचयन किया गया है। मार्च-अप्रैल माह में समूह द्वारा प्रत्येक सप्ताह मत्स्याखेट कर 160-180 रूपए प्रति किलो की दर से मछली विक्रय किया जाता है। जिससे समूह को 70-80 हजार से अधिक का सलाना आय अर्जित हो रही है। समूह की श्रीमती लक्ष्मी देहरी बताती है समूह की सदस्यों द्वारा अन्य कार्यो के बाद शेष समय में यह कार्य किया जा रहा है।

खास-खबर

रायपुर के हिस्ट्रीशीटर बदमाश को आजीवन कारावास, तीन वर्ष पहले की थी बुजुर्ग की हत्या

रायपुर (ए)। कोर्ट ने तेलीबांधा थाना क्षेत्र के एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसे तीन वर्ष पूर्व एक बुजुर्ग की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मामले की सुनवाई अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश यशवंत वासनीयकर की कोर्ट ने की। लोक अभियोजक आदित्य कुमार झा ने बताया कि बुजुर्ग की हत्या के आरोप में तेलीबांधा रविग्राम निवासी जीत उर्फ जीतू सतनामी को कोर्ट ने कैद की सजा सुनाई है। साथ ही एक हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माने की रकम अदा नहीं करने पर कोर्ट ने आरोपित को अतिरिक्त एक वर्ष कैद की सजा सुनाई है। पुलिस द्वारा कोर्ट में पेश केस डायरी में उल्लेख किया गया है कि जीतू ने आठ दिसंबर, 2019 को शाम साढ़े सात बजे हत्या की वारदात को अंजाम दिया है। जीतू द्वारा बुजुर्ग को मारते वही नजदीक में मटन दुकान संचालित करने वाले एक दुकानदार ने देखा था। कोर्ट में गवाही देते हुए गवाह ने बताया कि घटना दिनांक को एक बुजुर्ग उसके पास पहुंचा। बुजुर्ग उससे जीतू के घर का पता पूछते हुए उसके घर गया। घर से निकलने के बाद जीतू ने बुजुर्ग के साथ विवाद करते हुए अपने कड़े से उसके सिर पर वार करते हुए जमीन पर गिरा दिया। इसके बाद मटन विक्रेता व अन्य लोगों ने मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव कर दोनों को अलग किया। बुजुर्ग पास के शौचालय में गया। वहां जीतू पहुंच गया। उसने बुजुर्ग के सिर व चेहरे पर पटिया से वार करके उसकी हत्या कर दी।

उधारी का पैसा न देने पर 4 लोगों ने दंपती को पीटा

बालोद (ए)। ग्राम मचौद में महिला व उनके पति से मारपीट करने पर चार लोगों के खिलाफ गुंडरदेही थाने में धारा 294, 323, 34, 506 बी के तहत अपराध दर्ज किया गया है। किरण पारधी ने बताया कि गांव के एक व्यक्ति के पास से 5 हजार रुपए लिया था। जिसमें से 2200 रुपए देना बाकी था। इसी पैसे को लेकर गुरुवार को शाम 5 से 6 बजे के बीच दद्दू ऊर्फ ओमप्रकाश मण्डावी घर के आंगन के पास आकर गाली गलौज कर रहा था। जिसके बाद उसके भाई मनोज कुमार, बहन रानी और पिता लखनु लाठी लेकर पहुंचे और जान से मारने की धमकी देने लगे। रानी के साथ मारपीट की। पति बीच बचाव करने आया तो उसे लखनु और ओमप्रकाश, मनोज ने डंडे से पीटा।

19 दिन के बाद भी सुराग तक नहीं लगा पाई पुलिस

बालोद (ए)। ग्राम सांकरी के वार्ड 10 निवासी 73 वर्षीय बाल किसन ताम्रकार की हत्या करने वाले आरोपी अब तक पुलिस गिरफ्त से बाहर है। इस मामले में संदिग्धों के अलावा गांव के 3-4 नाबालिगों से पूछताछ की गई है। नाबालिगों से पूछा जा रहा है कि खेत की ओर से किसी को आते देखे हो क्या बताओ, हालांकि अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। गुंडरदेही के टीआई राकेश ठाकुर ने बताया कि संदिग्धों से पूछताछ जारी है, जल्द सबूत मिलने के साथ ही आरोपी का खुलासा करेंगे।

बीच चौराहे पर पीट-पीट कर फूफा को मार डाला

दौड़ा-दौड़ा कर पत्थर-लाठी से मारा, पकड़ा गया तो आरोपी बोला-कोर्ट के चक्कर लगाकर थक गया था

पलारी (ए)। बलौदाबाजार में गुरुवार देर रात 75 साल के बुजुर्ग को उसके ही भतीजे ने पीट-पीट कर मार डाला। आरोपी युवक अपने फूफा को मारने के लिए पूरे गांव में दौड़ाता रहा। फिर गांव के चौराहे पर पत्थर और लाठी से पीटकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद वहां से भाग निकला। पुलिस ने अगले दिन शुक्रवार को बिलासपुर से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला कसडोल थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम कोसमसरा निवासी सौभाग्य चंद रजक (75) अपनी शादी के बाद से ही ससुराल ग्राम कोट में रहता था। उसका अपने साले के परिवार से जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। आरोप है कि साले का बेटा रेखु रजक गुरुवार रात सौभाग्य के घर में घुस आया। दोनों के बीच विवाद होता रहा और फिर रेखु ने उसे मारने के लिए दौड़ा लिया।

घर से ही पीछा कर मारा पत्थर

घर से निकल कर सौभाग्य गांव में भागा तो पीछे-पीछे रेखु भी दौड़ा। आरोप है कि उसने पीछे से सौभाग्य को पत्थर मारे। सौभाग्य गांव के चौराहे पर गिरा तो रेखु ने उसे लाठी से पीट-पीट कर मार डाला। इसके बाद वहां से भाग निकला। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। ग्रामीणों से पूछताछ में पता चला कि दोनों परिवारों के बीच जमीन विवाद है।

कोर्ट के चक्कर से थका, तो मार दिया

इस पर परिजनों से पूछताछ की गई और आरोपी को पकड़ने के लिए दो टीमें बनाईं। इस बीच सुबह पुलिस को रेखु के बिलासपुर में छिपे होने का पता चला। वहां से भी रेखु भागने की फिराक में था। इससे पहले ही पुलिस ने पहुंच कर दबोच लिया। पूछताछ में उसने बताया कि जमीन के मामले में कोर्ट में पेशी काट कर थक गया था। इसके कारण गुस्सा था और इसी में हत्या कर दी।

राजधानी में चाकू मारकर युवक की हत्या

पुराने झगड़े को लेकर 2 लोगों ने मिलकर पहले पीटा, फिर हमला कर भागे थे, गिरफ्तार

रायपुर (ए)। गुरुवार की देर रात रायपुर शहर में एक युवक का मर्डर करने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। युवक की चाकू मारकर हत्या करने वाले बदमाशों की उम्र सिर्फ 18 और 19 साल है। दोनों युवकों को गिरफ्तार कर पुलिस इनसे हत्या को लेकर पूछताछ कर रही है।

मामला शहर के संतोषी नगर इलाके का है। यहां सरकारी स्कूल के पास अमान खान नाम के एक युवक पर दो बदमाशों ने चाकू से हमला किया था। बुरी तरह से जख्मी हो चुके अमान को अंबेडकर अस्पताल ले जाया गया था। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। रात से ही पुलिस को इस वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों की तलाश थी, जिन्हें अब पकड़ लिया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक वारदात के वक्त मोहल्ले कुछ लोगों ने हमलावरों को देखा था, उसने मिले इनपुट के आधार पर युवकों को पकड़ा गया। इस मामले में पुलिस ने महेंद्र बाघ उर्फ बोचू (18) गोविंद जोशी उर्फ बब्बू (19) को गिरफ्तार किया है। यह दोनों ही युवक संतोषी नगर इलाके की रहने वाले हैं । पहले से ही अमान खान को जानते थे और इनके बीच पुराने झगड़े भी चल रहे थे।

पिता ने खोला कत्ल का राज

अमान के पिता अब्दुल असद खान ने पुलिस को बताया है कि बेटा अमान बीती रात करीब 11:30 बजे के आसपास अपने बुलेट लेकर निकला था। सरकारी स्कूल के पास महेंद्र बाघ और गोविंद जोशी ने उसे घेर लिया, इनके बीच मारपीट हुई। अपने पुराने झगड़े का बदला लेने की नीयत से महेंद्र और गोविंद ने मेरे बेटे को चाकू मार दिया।

नेहरू नगर के रहने वाली हमारे परिचित हनीफ खान ने अमान को सड़क पर पड़ा देखा तो अपनी कार से अस्पताल लेकर गए, जहां उसकी मौत हो गई। महेंद्र और गोविंद के साथ अमान का पहले भी झगड़ा हो चुका था। उसी रंजिश का बदला लेने के लिए मेरे बेटे को बदमाशों ने मार दिया, वह इनकी निशाने पर था। उसे अकेला पाकर बदमाशों ने अपना बदला लिया। पुलिस ने अब अमान के पिता के बयान के आधार पर महेंद्र और गोविंद के खिलाफ दफा 302 के तहत केस दर्ज कर लिया है।

आरक्षक की पिटाई कर डायल 112 का कांच फोड़ा, नाबालिग समेत चार गिरफ्तार

रायपुर (ए)। खमतराई इलाके के बिरगांव डेरापारा में बुधवार देर रात मारपीट की सूचना पर मौके पर पहुंचे डायल 112 वाहन के आरक्षक के साथ मारपीट कर वाहन का कांच फोड़ने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा डालने का अपराध कायम कर मारपीट करने वाले एक नाबालिग समेत चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो लोग फरार हैं। पुलिस के मुताबिक बुधवार रात 10.30 बजे सूचना मिली थी कि डेरापारा में लड़ाई-झगड़ा हो रहा है। मौके पर डायल 112 टाइगर वन उरला वाहन क्रमांक सीजी 03-6029 के चालक संजय साहू के साथ आरक्षक सचिन मंगेशकर पहुंचे। आरक्षक को मुहल्ले के अर्जुन मरकाम ने बताया कि उसके साले राकेश ध्रुव को बैसाखू ध्रुव, तुलसी दास उइके, आकाश उइके, करन और नूतन समेत एक नाबालिग ने मारपीट की है।

धक्का-मुक्की कर आरक्षक की कर दी पिटाई

आरक्षक सचिन मंगेशकर ने मारपीट करने वाले छह आरोपितों को वाहन में बैठाने की कोशिश की तो उन लोगों ने धक्का-मुक्की कर आरक्षक की पिटाई कर दी। मारपीट में आरक्षक के दाहिने हाथ की कोहनी, कलाई के पास चोट लगी। इस दौरान बैसाखू ध्रुव और तुलसी दास ने ईंट से शासकीय वाहन टाटा सूमो के पीछे के कांच को क्षतिग्रस्त कर दिया। डायल 112 के चालक संजय साहू की शिकायत पर खमतराई पुलिस ने मामले में अपराध कायम कर नाबालिग समेत बैसाखू ध्रुव, तुलसी दास उइके, आकाश उइके को गिरफ्तार कर लिया। वहीं फरार करन और नूतन की तलाश की जा रही है।

लूट की नियत से आए ओडिशा के तीन बदमाश गिरफ्तार

रायगढ़ (ए)। सरिया क्षेत्र अंतर्गत हर्ष मिनरल्स (क्रशर) कटंगपाली के ऑफिस में घुसकर तीन लुटेरे यहां के मुंशी से मोबाइल व नगदी तीन हजार लूट कर भाग गए । गैंग बनाकर लूट व अन्य बड़ी घटनाओं को अंजाम देने आए पड़ोसी राज्य ओडिशा से आए तीन आदतन बदमाशों को पुलिस ने धर दबोचा है। आरोपितो से देसी पिस्टल, दो मैक्जीन तथा पांच जिंदा कारतूस एवं अन्य हथियार बारमद किया गया है।

पूरे प्रकरण की जानकारी पुलिस अधीक्षक अभिषेक मीणा ने अपने दफ्तर में दी। मीणा ने पत्रकारों को बताया कि थाना प्रभारी सरिया उपनिरीक्षक कमल किशोर पटेल के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन कर लूट के आरोपियों की पतासाजी के लिए एक टीम ओडिशा रवाना किया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल से मिले साक्ष्य के आधार पर संदेहियों की तलाश में ओडिशा के पदमपुर, पाईकमाल, सोहेला और बरगढ़ के कई ठिकानों में दबिश दी। आरोपितों के नहीं मिलने पर पुलिस टीम वापस लौट गई। यहां वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन पर थाना प्रभारी सरिया क्षेत्र में बीट आरक्षकों एवं मुखबिरों को सक्रिय कर पेट्रोलिंग को दुरुस्त कर संदेहियों की जानकारी जुटाने लगे। इसी दौरान थाना प्रभारी सरिया कमल किशोर पटेल को बड़े नवापारा बस स्टैंड के पास तीन संदिग्ध युवकों के यामाहा मोटरसाइकिल में हथियार लहरा कर लोगों को डराने, दहशत फैलाने भय का माहौल पैदा करने की सूचना मिली। सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर थाना प्रभारी कमल किशोर स्टाफ के साथ मौके के लिए रवाना हुए। जहां पुलिस की घेराबंदी देख एक हथियारबंद आरोपित ने दहशत फैलाने हवाई फायर कर पुलिस को दूर करने का प्रयास किया। थाना प्रभारी सरिया व उनकी टीम ने दिनेश राव पिता स्व. मधुसुदन राव (27) ग्राम पाईकमाल वार्ड छह थाना पाईकमाल जिला बरगढ़ ओडिशा, चंद्रमणी चांद उर्फ सुनील पिता बलराम चांद (28) ग्राम कटंगपाली थाना पाईकमाल जिला बरगढ़ ओडिशा, रोहित नायक पिता टिकलाल नायक (24) ग्राम बैदपाली थाना पाईकमाल जिला बरगढ ओडिशा को पकड़ा। आरोपितो से हथियार समेत क्षेत्र में आने के उद्देश्य पूछे जाने पर लूटपाट की नियत से आना बताया। उन्होंने बताया कि चार जून को भी सरिया में एक क्रशर में एक व्यक्ति से मोबाइल और तीन हजार रुपये लूटे थे। खर्च के बाद शेष 1400 नकद और लूट की मोबाइल समेत कुल चार मोबाइल जब्त किया गया।

रायपुर बस स्टैंड से फिर पकड़ाया तस्कर, 29 किलो गांजा जब्त

रायपुर (ए)। उरला पुलिस ने एक आरोपित से 29 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। कुछ दिनों पूर्व उरला पुलिस द्वारा लगभग पहले पांच क्विंटल एवं 50 किलो गांजा पकड़ा गया था। उन्ही आरोपियों से पूछताछ पर कुछ अहम जानकारी हाथ लगी थी। इधर, आज सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति बैगों में काफी सारा गांजा लेकर बस का इंतजार कर रहा है। उक्त सूचना पर उरला पुलिस तत्काल मौके पर रवाना हुई। सूचना की तस्दीक की गई। वहां पर एक व्यक्ति खड़ा था और उसके पास तीन बैग तथा एक थैला था।

पुलिस को देखकर वह घबरा कर भागने की कोशिश कर रहा था जिसे पुलिस पार्टी द्वारा त्वरित घेराबंदी कर पकड़ा गया। उस संदिग्ध व्यक्ति की तलाशी में तीन बैग तथा एक थैला में भरा हुआ गांजा मिला। जिसका वजन 29 किलोग्राम कीमती लगभग कीमती 2.90 लाख रूपये है। आरोपी से पूछताछ करने पर बताया कि आरोपी गांजा का कई खेपों का सप्लाई उड़ीसा से उ.प्र. के अलग-अलग जगहों में कर चुका है और हर बार पुलिस से बच निकलने की बात भी स्वीकार किया।

रायपुर के सोनडोंगरी कालोनी में एक ही रात सात घरों का ताला टूटा, लाखों का सामान ले उड़े चोर

रायपुर (ए)। कबीरनगर इलाके के सोनडोंगरी स्थित मीडिया कर्मी आवासीय परिसर में चोरों ने बुधवार रात धावा बोलकर सात फ्लेट का ताला तोड़कर लाखों की चोरी की है।एक ही रात सात घरों में चोरी की घटना से रहवासी दहशत में है। गुरूवार सुबह मौके पर डाग स्क्वाड़ के साथ पहुंची पुलिस ने करीब एक घंटे तक तफ्तीश की लेकिन चोरों का कोई सुराग नहीं मिल पाया।

हालांकि कालोनी में लगे सीसीटीवी कैमरे में दो अज्ञात चोर कैद हुए है। फुटेज के आधार पर पुलिस चोरों की तलाश कर रही है। इस परिसर में इससे पहले भी आठ मकानों में चोरी की वारदात हो चुकी है। उस समय भी चोरों का पता लगाने में पुलिस असफल रही।

सोनडोंगरी स्थित मीडिया कर्मी आवासीय परिसर (बीएसयूपी कालोनी) में पिछले एक साल से चोरी की घटनाएं हो रही है। पुलिस का प्रभावी गश्त न होने से चोरों के हौंसले बुलंद है। बुधवार रात फिर से चोरों ने कालोनी के ब्लाक तीन व चार के सात फ्लैट को निशाना बनाकर धावा बोला। ब्लाक तीन के मकान नंबर 23 में रहने वाले मुकेश वर्मा ने पुलिस को बताया कि मंगलवार को वह सपरिवार अपने गांव मानपुर पहाड़ी, गंडई जिला राजनांदगांव चले गए थे। गुरूवार सुबह आठ बजे लगभग बड़े भाई राजू वर्मा फोन कर बताया कि घर के दरवाजे का ताला टूटा हुआ और सामान बिखरा हुआ है।

इस पर वे सुबह 10.30 बजे घर पहुंचे तो पाया कि चोरों ने पलंग के गद्दे के नीचे रखे नगदी रकम लगभग पांच हजार रूपये समेत अन्य सामान पार कर दिया।

Authorised For : SOMANY Wall & Floor Tiles
JOHNSON Not just tiles, Lifestyles.
orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006 Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

परिशिष्ट – दो (नियम 4.4.2)

निविदा प्रकाशन बाबत

निविदा विज्ञप्ति क्रमांक 3528 दुर्ग, दिनांक 08/06/2022

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला दुर्ग की ओर से निर्माताओं अथवा उनके अधिकृत फर्म / विक्रेताओं से दुर्ग जिले में संचालित स्वास्थ्य संस्थाओं के लिए औषधी/डिस्पोजेबल/माइनर उपकरण/पैथोलॉजी/ब्लड बैंक/एक्स-रे/सी.टी.स्केन एवं अन्य सामग्री क्रय करने हेतु 2022-23 के लिए मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से आवेदन पत्र प्रस्तुत कर प्रति निविदा फार्म रू. 1000/- (अक्षरी-रू. एक हजार मात्र) का नगद भुगतान कर निविदा प्रकाशन के दिनांक से 11/06/2022 तक सायं 5.00 बजे तक कार्यालयीन दिवस में प्राप्त किये जा सकते हैं।

निविदा बिक्री की अंतिम तिथि- 11/07/2022 शाम 5.00 बजे तक
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि- 12/07/2022 दोपहर 3.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि- 12/07/2022 दोपहर 4.00 बजे तक

स्थान :- कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)

जी-92021/5

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला-दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड बेमेतरा (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट द्वितीय निविदा सूचना

ऑनलाईन निविदाएं प्रपत्र-ए में प्रतिशत दर पर अनुबंध हेतु नीचे उल्लेखित कार्य के लिये छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में एकीकृत पंजीयन व्यवस्था में श्रेणी-डी एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है.

कार्य का विवरण :- बेमेतरा जिले के विकासखण्ड नवागढ़ के ग्राम टुरासेमरिया में जल जीवन मिशन अंतर्गत एकल ग्राम नलजल योजनाओं के अंतर्गत UPVC pipe 6kg/10kg पाईप लाईन जोड़ने, स्वीच रूम, उच्चस्तरीय जलागार निर्माण, बाउण्ड्रीवॉल, क्लोरीनेटर सिस्टम, क्लोरीनेटर रूम, इलेक्ट्रीसिटी कनेक्शन, सबमर्सिबल पंप, घरेलू नल कनेक्शन इत्यादि दिये गये शेड्यूल के अनुसार.

स. क्र.	सिस्टम नम्बर	द्वितीय निविदा सू.क्र.	ग्राम का नाम	अनुमानित लागत (रु. लाख में)
1	102084	49	टुमरासेमरिया एकल ग्राम नलजल योजना	68.53

1. बिड प्रारंभ की तिथि - 10.06.2022
2. बिड सबमिशन की अंतिम तिथि - 15.06.2022

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 10.06.2022 से देखे जा सकते है.

जी-92034/6

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
बेमेतरा (छ.ग.)

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

ब्लास्ट फर्नेस-8 ने बनाया उत्पादन का दैनिक कीर्तिमान

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस-8 (महामाया) ने 09 जून, 2022 को 9229 टन हॉट मेटल का उत्पादन कर नया दैनिक रिकॉर्ड दर्ज किया, जो कि 19 सितम्बर, 2020 को हासिल किए गए 9150 टन हॉट मेटल के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को पार करते हुए बनाया गया। भिलाई इस्पात संयंत्र के उच्च प्रबंधन ने ब्लास्ट फर्नेस-8 और संबंधित सहयोगी शॉप्स के पूरी टीम को नया रिकॉर्ड बनाने हेतु बधाई दी।

एशियन महिला फेंसिंग चैंपियनशिप में दुर्ग की बेटी वेदिका खुशी रावना का चयन

दुर्ग। एशियन महिला सीनियर फेंसिंग चैंपियनशिप में दुर्ग शहर की बेटी वेदिका खुशी रावना का चयन हुआ है। 10 से 14 जून तक दक्षिण कोरिया के सियोल में एशियन महिला एवं पुरुष फेंसिंग चैंपियनशिप का आयोजन हो रहा है। वेदिका के चयन से खेल प्रेमियों में उत्साह है। छत्तीसगढ़ फेडरेशन के बशीर अहमद खान, निखिल जंभुलकर एवं सागर लागू सर के मार्गदर्शन में वेदिका ट्रेनिंग ले रही है। वेदिका खुशी रावना केरला स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफइंडिया में प्रैक्टिस करती है उनकी बहन पुंजिका गुनी रावना भी केरला स्पोर्ट्स अथॉरिटी आफइंडिया में वेदिका के साथ प्रैक्टिस करती है।

शहर से हटाए जा रहे है अवैध अतिक्रमण

20 स्थानों से हटाए अवैध कब्जे, सड़क बाधा करने वालों को दी गई चेतावनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे के निर्देश पर अवैध अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही आज भी की गई। निगम का बुलडोजर आज ओम शांति ओम चौक पहुंचा। अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी के नेतृत्व में तोड़फोड़ दस्ता एवं सहायक राजस्व अधिकारियों की टीम ने अवैध अतिक्रमण एवं अवैध कब्जे पर कार्यवाही की। आज 20 स्थानों से अतिक्रमण हटाए गए वहीं बारंबार निर्देश देने के बाद भी पुनः दुकान लगाने वाले ठेले को निस्तेनाबुत किया गया।

टीम में सहायक राजस्व अधिकारी परमेश्वर चंद्राकर, जगदीश तिवारी एवं बालकृष्ण नायडू विशेष रूप से मौजूद रहे। ओम शांति ओम चौक के पास सड़क पर मलबा बिखेरने वाले दुकानदार से 15000 जुर्माना लिया गया वहीं ओम शांति ओम चौक से कालीबाड़ी की ओर सड़क बाधा कर मलबा फैलाने वाले दुकानदार से 5000 रुपए जुर्माना वसूल किया गया। इस प्रकार से सड़क बाधा करने वालों से 20000 रुपए जुर्माना वसूल किया गया। ओम शांति ओम चौक के पास ही दुकानदार ने रेत और गिट्टी का ढेर सड़क किनारे लगा दिया था जिससे आवागमन में काफी परेशानियां हो रही थी जिसको देखते हुए दुकानदार से जुर्माना वसूलने की कार्यवाही की गई है तथा चेतावनी देते हुए 2 दिन के मोहलत देते हुए मलबा को हटाने के निर्देश अधिकारियों ने दुकानदार को दिए है।

ओम शांति ओम चौक के करीब कुछ लोग अवैध रूप से बांस, बल्ली की सहायता से दुकान संचालित कर रहे थे तथा सड़क किनारे ही ठेला लगाकर व्यवसाय कर रहे थे। निगम ने कई बार इन्हें समझाइस दे रखी थी, परंतु अवैध रूप से ठेला लगाने वाले बाज नहीं आ रहे थे, आज जब जेसीबी पहुंची तो ठेले को ध्वस्त करते हुए निगम ने जब्ती की कार्यवाही की है। इधर ओम शांति ओम चौक से कालीबाड़ी चौक तक के बायी अवैध दुकानें तथा ठेलों को हटाने की कार्यवाही निगम ने की है। उल्लेखनीय है कि अवैध रूप से कहीं भी अव्यवस्थित तरीके से ठेला एवं दुकान होने के कारण आवागमन में राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है, वहीं सड़क में जगह नहीं मिलने से जाम लगने की संभावना भी बढ़ जाती है तथा दुर्घटना से भी इनकार नहीं किया जा सकता, शहर को स्वच्छ और सुंदर रखने की दिशा में भी अवैध रूप से लगाए गए दुकानों एवं ठेलों को हटाना आवश्यक हो गया था। जिसके चलते निगम प्रशासन ने अभियान के तहत ऐसे अतिक्रमण को हटाने का अभियान चला रखा है। विगत दिनों पूर्व आकाशगंगा क्षेत्र में तथा नेहरू नगर चौक के समीप अवैध अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही की गई थी। अवैध अतिक्रमण हटने के बाद शहर साफ सुथरा दिखाई दे रहा है। वहीं राहगीरों को भी आवागमन में सुविधा हो रही है।

संयंत्र के सुरक्षा को सुदृढ़ करने कार्मिक व अधिकारी प्रतिनिधियों ने किया गहन विचार-मंथन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने संयंत्र में सुरक्षा तंत्र को सुदृढ़ करने हेतु तथा दुर्घटनाओं के रोकथाम हेतु डायरेक्टर इंचार्ज सभागार में विभिन्न श्रमिक संघों तथा बीएसपी ऑफिसर्स एसोसिएषन के प्रमुख पदाधिकारियों से सारगर्भित चर्चा की।

इस बैठक में संयंत्र के निदेशक प्रभारी, अनिर्बान दासगुप्ता, कार्यपालक निदेषक (कार्मिक एवं प्रषासन), के के सिंह, कार्यपालक निदेषक (वर्क्स) अंजनी कुमार एवं मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (कार्मिक) सुश्री निषा सोनी, महाप्रबंधक (आई आर एवं ठेका श्रमिक प्रकोष्ठ)जे एन ठाकुर एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। इसके साथ ही इस बैठक में ऑफिसर्स एसोसिएषन से एन के बंछोर व परविंदर सिंह, सेल-एससीएसटी फेडरेषन की ओर से सुनील रामटेके, इंटक से संजय साहू व पूरन वर्मा, सीटू से सुश्री सविता मालवीय एवं एस पी डे, बीएमएस के अध्यक्ष आई पी मिश्रा एवं रविशंकर सिंह, इस्पात श्रमिक मंच से राजेष अग्रवाल व शेख महमूद, बीएसपी वकर्स यूनियन से उज्जवल दत्ता एवं खूबचंद वर्मा तथा एटक से विनोद सोनी विशेष रूप से मौजूद थे।

संयंत्र के निदेशक प्रभारी,अनिर्बान दासगुप्ता ने बैठक में अपनी बात रखते हुए सर्वप्रथम संयंत्र द्वारा सुरक्षा सुनिष्चित करने हेतु किये जा रहे समग्र प्रयासों की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने कहा कि कार्मिकों की सुरक्षा हमारे लिए हमेषा से सर्वोपरि है। वर्तमान परिस्थितियों में हम अपने प्रयासों को और सुदृढ़ करना चाहते है। उन्होंने संयंत्र के सुरक्षा तंत्र को और सुदृढ़ करने हेतु सभी को मिलकर काम करने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि संयंत्र प्रबंधन सुरक्षा को बेहतर करने हेतु निरंतर प्रयासरत है। हम अपने प्रयासों को यूनियन तथा ओए के साथ मिलकर और अधिक सुदृढ़ करना चाहते है। जिससे संयंत्र में दुर्घटनाओं को रोका जा सके। समय-समय पर आप सभी अपने सुझाव से हमें अवगत कराते रहे हैं। वर्तमान परिस्थितियों में आप सभी से सहयोग अपेक्षित है।

संकल्प शिविर कार्यशाला के लिए बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारतीय कांग्रेस कमेटी के आदेशानुसार छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहन मरकाम के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ में कांग्रेस कमेटी का दो दिवसीय नव संकल्प शिविर में लिए गए निर्णय अनुसार कांग्रेस संगठन को सक्रिय रखने के लिए छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिलों में अब संकल्प शिविर होगा।

इसी परिपेक्ष में तैयारी एवं सफल आयोजन के लिए दुर्ग जिले के प्रभारी गिरिश देवांगन ने संगठन की अहम बैठक ली जिसमें 15 जून को नव संकल्प शिविर आयोजित किया जाएगा। जिला अध्यक्ष गया पटेल ने कहा कि हमें राज्य सरकार की उपलब्धि और अपनी सरकार की योजनाओं को लेकर जनता के बीच जाना है। जिले की सभी विधानसभा में भारत जोड़ो पदयात्रा निकाली जाएगी और आजादी के 75 वीं वर्षगांठ पर राजधानी में बड़ा आयोजन होगा। विधायक अरुण वोरा ने कहा की आगामी 15 जून को नव संकल्प शिविर का आयोजन किया जाना है। जिसमें मुख्य रूप से सत्ता एवं संगठन पर चर्चा, कृषि एवं खेतिहर मजदूरों की समस्याओं पर चर्चा सामाजिक न्याय व सशक्तिकरण पर चर्चा महंगाई बेरोजगारी एवं आमजन से जुड़े मुद्दे, वर्तमान अर्थव्यवस्था पर चर्चा की जाएगी।

शिविर में मुख्य रूप से जिले में निवासरत प्रदेश पदाधिकारी जिले के विधायक एवं पूर्व विधायक नगर निगम के महापौर निर्वाचित सभी सदस्य गण जिला कांग्रेस कार्यकारिणी के पदाधिकारी, ब्लॉक एवं जोन कमेटी के अध्यक्ष,सेवादल,महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी, तथा जिला स्तरीय समस्त प्रकोष्ठ के अध्यक्ष गण, उपस्थित रहेंगे।

जनसमस्या शिविर के आवेदन निराकरण के क्रास चेक के लिए कमिश्नर फील्ड में पहुचे कहा क्वालिटी पूर्ण और स्थाई समाधान हो

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम, दुर्ग के द्वारा निकाय क्षेत्र के समस्त 60 वार्डो के क्लस्टर में आम नागरिको की मूलभूत समस्या जैसे पानी, बिजली, सफाई, राशन कार्ड, पेंशन, नामान्तरण, आबादी पट्टा सहित अन्य जन समस्याओं के समाधान के लिए दिनांक 09 मई 2022 से लेकर दिनांक 08 जुन 2022 तक वार्डो में जन समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया गया था।

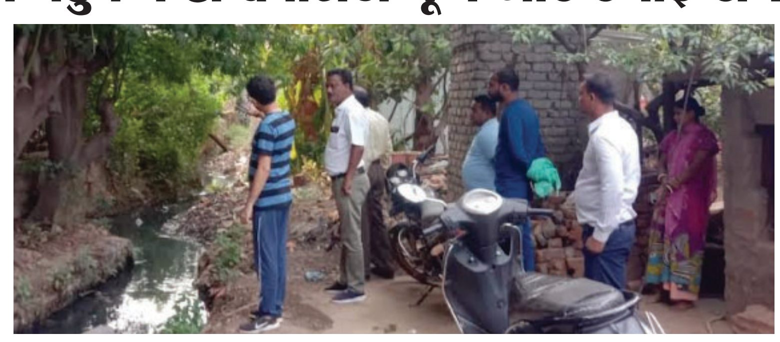

जिसमें प्राप्त हुये कई आवेदनो का शिविर में ऑन स्पॉट निराकरण किया गया एवं लोककर्म विभाग, बिजली विभाग एवं अन्य विभागो से प्राप्त आवेदनो पर भी त्वरित कार्यवाही हेतु विभागीय अधिकारी फिल्ड में लगे हुए है।आज दिनांक 10 जून को निगम आयुक्त हरेश मंडावी जनसमस्या शिविर में आवेदनो का निराकरण के क्रास चेक हेतु मौके पर पहुचे एवं निर्माण कार्य को देखा एवं उन्होने फील्ड में उपस्थित विभागीय अधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिये कि निर्माण कार्य की क्वालिटी पूर्ण और अच्छी हो ताकि लोगो के द्वारा दिये गये आवेदनो का स्थाई समाधान हो अत: क्वालिटी अच्छी हो।निगम आयुक्त ने आज बहुत से आवेदनो का मौके पर परीक्षण भी किया।

निगम आयुक्त हरेश मंडावी ने सभी विभागीय अधिकारियों को कहा कि शिविर में प्राप्त आवेदनो का तत्काल निराकरण करें ताकि आम नागरिको में राहत मिल सके एवं उनकी समस्याओ का निराकरण हो सके उन्होने संबंधित अधिकारियों को समस्या के निराकरण हेतु समय सीमा भी निर्धारित कर दी है कि समय सीमा के अंदर कार्यवाही नही होने पर संबंधित विभागीय अधिकारी के विरूद्ध कार्यवाही प्रस्तावित की जावेगी।अत: निगम के सभी विभागीय अधिकारी समस्याओ के निराकरण हेतु जुट गये है।

सड़क और नाली बाधित करने वाले व्यवसाईयों के ऊपर की गई अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

दी गई चेतावनी,सड़क तक सामान फैलाकर कारोबार करने वालों के खिलाफ आगे भी होगी बड़ी कार्रवाई

दुर्ग। न्यू बस स्टेंड सहित मुख्य मार्ग नलघर के सामने जी.ई. रोड पर सड़क तक सामान फैलाकर कारोबार करने वालों के खिलाफ शुक्रवार को आयुक्त हरेश मंडावी के निर्देश पर निगम बाजार विभाग व अतिक्रमण विभाग के अमला ने कार्रवाई की। कार्रवाई के लिए पहुंचे निगम अमला ने अतिक्रमण कारियों की फ़ोटो व वीडियोग्राफी करवाई गई और उसके बाद दुकान के बाहर सड़क पर फैलाकर रखे गए सामानों को हटवाया गया। न्यू बस स्टैंड क्षेत्र में दुकान के सामने कर कारोबार सड़क में फैलाकर कारोबार कर रहे हैं।

इसके वजह से बस स्टेंड के भीतर व मुख्य मार्ग पर आवागमन को लेकर आम जनता को दिक्कत हो रही है।इसको ध्यान में रखते हुए निगम आयुक्त हरेश मंडावी ने आज न्यू बस स्टैंड का निरीक्षण किया।आयुक्त की मौजूदगी में निगम का बाजार विभाग व अतिक्रमण विभाग तोडू दस्ता ने बस स्टैंड में अतिक्रमण हटाने की कार्वाही की। निगम कर्मचारियों ने बस स्टैंड जी.ई. रोड क्षेत्र में सड़क किनारे कब्जा कर सड़क तक सामान फैलाकर कारोबार करने वाले बाहर समान रखे सभी व्यापारियों की फ़ोटो व वीडियोग्राफी पूर्व में करवाई गई। इसके बाद उक्त व्यापारियों द्वारा फैलाकर रखे गए सामान को हटवाया गया। निगम की सख्ती को देखते हुए कुछ कारोबारी अपना सामान स्वयं हटाने लगे।

इस दौरान निगम के अतिक्रमण अधिकारी दुर्गेश गुप्ता ने दुकानदारों को समझाइश देते हुए कहा कि सामान दुकान से बाहर निकलकर फैलाकर न रखे और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में निगम प्रशासन को सहयोग करें उन्होंने कहा कि यह कारवाही निरन्तर जारी रहेगी अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के समय बाजार विभाग के प्रभारी अधिकारी थानसिंग यादव, ईश्वर वर्मा, शशिकांत यादव,भुवान दास साहू और अतिक्रमण अमला मौजूद थे।

कचरो के निष्पादन प्रक्रिया में तेजी लाने के दिए निर्देश

निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने किया एसएलआरएम सेंटर का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत कचरा के बेहतर निष्पादन के लिए एसएलआरएम सेंटर संचालित किए जा रहे है जिसका आज निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने निरीक्षण किया। जोन 01 नेहरूनगर स्थित एसएलआरएम सेंटर में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के आने वाले कचरे के पृथकीकरण की प्रक्रिया और बेलिंग मशीन को देखे और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। एसएलआरएम सेंटर में कचरो के निष्पादन को बेहतर तरीके से करने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त ने एसएलआरएम सेंटर में कचरो का पृथकीकरण एवं बेलिंग मशीन में काम करने वाले सभी कर्मचारियों को एप्रॉन, दस्ताना, जूते एवं मास्क जैसे सुरक्षा संबंधी कीट का उपयोग करते हुए कार्य करने के निर्देश दिए। झिल्ली, पन्नी, प्लास्टिक आदि के कचरे को नियंत्रित करने एसएलआरएम सेंटर में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि महापौर नीरज पाल ने स्वच्छ एवं सुंदर भिलाई की परिकल्पना के तहत स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए है। भिलाई निगम क्षेत्र से प्रतिदिन डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के माध्यम से बहुतायत मात्रा में झिल्ली, पन्नी का कचरा निकलता है। इन कचरे को निगम के नेहरू नगर एसएलआरएम सेंटर में एकत्रित कर कचरों का पृथकीकरण के बाद सूखे कचरे से प्राप्त पॉलीथीन को बेलिंग मशीन से बंडल बनाकर निष्पादन हेतु भेजा जा रहा है। इसी तरह गीले कचरो का पृथकीकरण के बाद एसएलआरएम सेंटर में सोनहा खाद नामक खाद बनाया जा रहा है। इसे खाद के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। इस कार्य में तेजी आने के बाद अब निगम क्षेत्र में पॉलीथीन के कचरों का ढेर भी अब नजर नहीं आता। निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे ने कचरे के पृथकीकरण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

गौरतलब है कि निगम प्रशासन द्वारा संचालित एसएलआरएम सेंटर में संपूर्ण निगम क्षेत्र से भारी मात्रा में निकलने वाले कचरे को वहां एकत्रित करने के बाद सभी तरह के गीले एवं सूखे कचरे को अलग अलग पृथक किया जाता है। गीले कचरों को पृथक करने के बाद जैविक खाद बनाया जाता है, इसी प्रकार लोहा, टीना, प्लास्टिक, कांच, लकड़ी, व कपड़े के सूखे कचरे का पृथक किए जाने के बाद रिसायकल की प्रक्रिया के लिए भेजा जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950